E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

12th ANNIVERSARY

वर्ष -12 अंक -76 | प्रयागराज, सोमवार 01 जून, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ईरान को रु28 लाख करोड़ कंस्ट्रक्शन के लिए फंड मिलेगा,अमेरिकी कंपनियां निवेश करेंगी

परमाणु कार्यक्रम पर सहमति, ईरान ने खारिज किया

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित 60 दिन के युद्धविराम

समझौते की शर्तों में ईरान के लिए 300 अरब डॉलर यानी करीब 28.5 लाख करोड़ रुपए के फंड और अमेरिकी कंपनियों के निवेश का प्रस्ताव शामिल है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, एक ईरानी अधिकारी ने इसे रीकंस्ट्रक्शन प्रोग्राम बताया। उन्होंने कहा कि अंतिम समझौते पर हस्ताक्षर होने पर ईरान को यह आर्थिक मदद देने का वादा किया जाएगा। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि दोनों पक्ष परमाणु कार्यक्रम पर सहमति के करीब पहुंच गए हैं। ईरान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा और उसके एनरिच्ड यूरेनियम को नष्ट किया जाएगा। हालांकि, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई ने इस दावे को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि परमाणु मुद्दे पर कोई बातचीत नहीं हो रही है। साथ ही, ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी ने भी सूत्रों के हवाले से बताया कि समझौते के ड्राफ्ट में परमाणु सामग्री को नष्ट करने जैसी कोई शर्त शामिल नहीं है। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स- ट्रम्प बोले- ईरान परमाणु बम नहीं बनाएगा: ट्रम्प ने कहा कि संभावित समझौते में ईरान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। अमेरिका नौसैनिक नाकेबंदी हटाएगा और होर्मुज स्ट्रेट में किसी तरह का टोल नहीं लगेगा। होर्मुज टोल पर अमेरिका की ओमान को चेतावनी: अमेरिका ने कहा कि अगर ओमान ने ईरान की टोल वसूली व्यवस्था का साथ दिया, तो शामिल देशों, कंपनियों और लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। ईरान बोला- अमेरिका की बातों पर भरोसा नहीं: ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा कि तेहरान सिर्फ कार्रवाई पर भरोसा करता है। जब तक अमेरिका कदम नहीं उठाएगा, ईरान भी कोई रियायत नहीं देगा। ईरान बोला- 24 घंटे में 24 जहाजों को होर्मुज से गुजरने दिया: ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने कहा कि पिछले 24 घंटे में 24 जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की अनुमति दी गई। ईरान के मुताबिक समुद्री ट्रैफिक को नियंत्रित तरीके से चलाया जा रहा है। लेबनान में इजराइल की नई चेतावनी: इजराइल ने दक्षिणी लेबनान के कई इलाकों के लोगों को घर खाली करने को कहा। सेना का दावा है कि वहां हिजबुल्लाह के खिलाफ बड़े ऑपरेशन की तैयारी चल रही है।संयुक्त राष्ट्र की बच्चों से जुड़ी एजेंसी यूनिसेफ ने कहा है कि पिछले एक हफ्ते में लेबनान में औसतन हर 24 घंटे में 11 बच्चे या तो मारे गए हैं या घायल हुए हैं। युद्धविराम के बावजूद इजराइल ने देशभर में हमले तेज कर दिए हैं। यूनिसेफ ने लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के हवाले से बताया कि पिछले 7 दिनों में 77 बच्चे हमलों का शिकार हुए हैं। वहीं, रॉयटर्स के मुताबिक 16 अप्रैल को लागू हुए युद्धविराम के बाद से अब तक 55 बच्चों की मौत और 212 बच्चों के घायल होने की पुष्टि हुई है। यूनिसेफ के प्रवक्ता रिकार्डो पायर्स ने सभी पक्षों से युद्धविराम का पूरी तरह पालन करने की अपील की। उन्होंने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत बच्चों और नागरिक ढांचे की सुरक्षा जरूरी है।'

ईरान परमाणु हथियार न बनाने पर सहमत

अमेरिकी एमक्यू-1 ड्रोन मार गिराया,ट्रम्प बोले- समझौते की जल्दी नहीं, धीरे-धीरे शर्तें मनवा रहे

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसकी एयर डिफेंस यूनिट ने रविवार को ईरानी हवाई सीमा में घुसे अमेरिकी ड्रैं-1 ड्रोन को मार गिराया। यह जानकारी ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी ने दी है। आईआरजीसी के मुताबिक, ड्रोन को एयर डिफेंस और निगरानी सिस्टम ने

तुरंत पहचान लिया था। इसके बाद एडवांस मिसाइल सिस्टम से उसे निशाना बनाकर गिरा दिया गया। ईरान ने दावा किया कि ड्रोन अमेरिकी सेना का था और दुश्मनी भरे ऑपरेशन के इरादे से सीमा में दाखिल हुआ था। दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा कि उन्हें ईरान के साथ समझौते की कोई जल्दी नहीं है। अमेरिका धीरे-धीरे अपनी शर्तें मनवा रहा है। हम बेहतरीन डील करेंगे और अगर ऐसा नहीं हुआ तो हम सैन्य तरीका अपनाएंगे। साथ ही ट्रम्प ने दावा किया कि, ईरान परमाणु हथियार न खरीदने पर सहमत हो गया है। उन्होंने इंटरव्यू में कहा, 'पहले ईरान सहमत हुआ कि वह परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। इसके बाद मैंने उनसे पूछा क्या आप इसे खरीदेंगे, तो वे इस पर भी सहमत हुए की हम परमाणु हथियार न बनाएंगे न ही खरीदेंगे।'पिछले 24 घंटे के 4 बड़े अपडेट्स- 1. ट्रम्प फैसला नहीं ले पाए: राष्ट्रपति ट्रम्प ने अधिकारियों के साथ व्हाइट हाउस के सिचुएशन रूम में करीब दो घंटे तक बैठक की। इसके बाद भी ईरान के साथ संभावित समझौते पर अंतिम फैसला नहीं लिया। 2. अमेरिकी रक्षा मंत्री की चेतावनी: पीट हेगसेथ ने फिर चेतावनी दी है कि ईरान या तो समझौता स्वीकार करे या फिर बल प्रयोग का सामना करने के लिए तैयार रहे।3. अमेरिका पर धोखा देने का आरोप: सुप्रीम लीडर के सलाहकार मोहसिन रजाई ने अमेरिका पर कूटनीति को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अमेरिका समुद्री नाकाबंदी जारी रखकर बातचीत की प्रक्रिया के साथ धोखा कर रहा है। 4. होर्मुज में बारूदी सुरंग तैरती दिखी: ओमान ने होर्मुज स्ट्रेट में एक संदिग्ध तैरती हुई समुद्री बारूदी सुरंग (फ्लोटिंग माइन) देखे जाने की जानकारी दी। जहाजों और मछुआरों को सावधानी बरतने की चेतावनी जारी की।

अमेरिकी रक्षा मंत्री बोले- मुफ्त में सुरक्षा नहीं मिलेगी, अमीर देश अपना रक्षा खर्च बढाएं

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सहयोगी देशों से रक्षा खर्च बढ़ाने की अपील की है। सिंगापुर में आयोजित शांगरी-ला डायलॉग में उन्होंने कहा कि अमेरिका चाहता है कि वे जीडीपी का कम से कम 3.5फीसदी रक्षा पर खर्च करें। हेगसेथ ने कहा कि अब वह दौर खत्म हो गया है जब अमेरिका अमीर देशों की सुरक्षा का खर्च उठाता था। लेकिन मुफ्त में सुरक्षा पाने का दौर अब खत्म हो चुका है। अब ट्रम्प चाहते हैं कि सहयोगी देश सुरक्षा की जिम्मेदारी में बराबर का योगदान दें। दिलचस्प बात यह रही कि इस बार हेगसेथ ने अपने भाषण में ताइवान का जिक्र नहीं किया। पिछले साल इसी सम्मेलन में उन्होंने चीन पर ताइवान को परेशान करने का आरोप लगाया था और कहा था कि अगर चीन बलपूर्वक ताइवान पर कब्जा करने की कोशिश करता है तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। उस भाषण में उन्होंने ताइवान का कई बार उल्लेख किया था। इस बार उन्होंने दक्षिण कोरिया, जापान, ऑस्ट्रेलिया, वियतनाम और अन्य सहयोगी देशों की तारीफ की, जिन्होंने हाल के वर्षों में अपने रक्षा बजट बढ़ाए हैं और अमेरिका के साथ सैन्य सहयोग मजबूत किया है। ताइवान का नाम इस सूची में शामिल नहीं था, जबकि उसने हाल ही में अपना रक्षा खर्च बढ़ाकर जीडीपी के 3फीसदी से अधिक कर दिया है।

आर्मी चीफ बोले- भारत ऑपरेशन सिंदूर 2.0 की तैयारी में, तीनों सेनाएं अगले युद्ध के लिए 24 घंटे तैयारी कर रहीं

अभी सिर्फ संघर्ष विराम

नयी दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। फिलहाल केवल संघर्षविराम जैसे स्थिति है। अगर जरूरत पड़ी तो तीनों सेनाएं 'ऑपरेशन सिंदूर 2.0' के लिए पूरी तरह तैयार हैं। आर्मी चीफ ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने एक बेंचमार्क सेट कर दिया है कि भारत उकसावे पर कैसे जवाब देता है। कैडेट्स अपने सैन्य करियर की शुरुआत से ही इसे बनाए रखें। आर्मी चीफ पुणे के खड़कवासला में शनिवार को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) का 150वीं पासिंग आउट परेड में शामिल हुए। रिव्यूइंग ऑफिसर के तौर पर उन्होंने 355 कैडेट अफसरों की परेड की सलामी ली।इस दौरान कैडेट्स ने मार्च पास्ट किया। फ्लाईपास्ट में एसयू-30 एमकेआई लड़ाकू विमान, चेतक हेलिकॉप्टर, सारंग हेलिकॉप्टर एरोबेटिक्स टीम और आकाशगंगा स्काईडाइविंग टीम ने हिस्सा लिया। सेना प्रमुख के नए अफसरों को मैसेज- मॉर्डन वॉरफेयर पूरी तरह पारदर्शी हो गया है। 24 घंटे हर गतिविधि पर नजर रखी जाती है। ऐसे में सैनिकों की तैनाती, ऑपरेशन और बॉर्डर एरिया में नागरिकों की सुरक्षा को लेकर बेहद सतर्क रहने की जरूरत है। इन्फॉर्मेशन वॉरफेयर तभी जीता जा सकता है जब देश के लोग सूचना देने वाले संस्थानों पर भरोसा करें। जिस देश के नागरिक और संस्थाएं

एक-दूसरे पर विश्वास करती हैं, वह देश हमेशा मजबूत स्थिति में रहता है। जब युद्ध की गति बहुत तेज हो रही हो, तो संसाधनों के दायरे में रहकर एडीशनल हेल्प की जरूरत पड़ती है ताकि तेजी से फैसले ले सकें। बहुत सारी तकनीकों और संसाधनों को संभालने के लिए, ऑटोमेशन की जरूरत होती है, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इसमें बहुत अहम रोल निभाता है। अगले 2-3 साल में शुरू हो सकता है सेना का थिएटर कमांड सिस्टम- थिएटर कमांड व्यवस्था पर बोलते हुए जनरल द्विवेदी ने कहा कि थिएटराइजेशन की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। इससे जुड़ी पूरी रिपोर्ट रक्षा मंत्री को सौंप दी गई है। इसका अलग-अलग लेवल पर रिव्यू भी चल रहा है।उन्होंने बताया कि नई व्यवस्था में सेना, नौसेना और वायुसेना चीफ अपनी-अपनी सेनाओं की तैयारी और संसाधनों की जिम्मेदारी संभालेंगे, जबकि थिएटर कमांडर जॉइंट मिलिट्री ऑपरेशन देखेंगे। सेना प्रमुख ने उम्मीद जताई कि अगले 2 से 3 साल में यह व्यवस्था जमीनी स्तर पर लागू होती दिखाई दे सकती है, इसके लिए तीनों सेनाओं के प्रमुख हितों का ध्यान रखा जाए। द्विवेदी बोले- भविष्य में लड़ाई मॉडर्न टेक्नोलॉजी क्षेत्रों में भी लड़े जाएंगे-जनरल द्विवेदी ने कहा कि भविष्य के लड़ाई केवल जमीन, हवा और समुद्र तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि साइबर, अंतरिक्ष और अन्य मॉडर्न टेक्नोलॉजी क्षेत्रों में भी लड़े जाएंगे।सेना प्रमुख ने बताया कि भारतीय सेना डिकेड ऑफ ट्रांसफॉर्मेशन पहल के तहत खुद को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार कर रही है। इसके तहत नई तकनीकों और आधुनिक सैन्य ढांचे को बढ़ावा दिया जा रहा है। 24 विदेशी कैडेट भी परेड में शामिल- जनरल द्विवेदी ने परेड में शामिल कैडेटों की सराहना की और चीता स्क्वाड्रन को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए बधाई दी। पास आउट होने वाले कैडेटों में 12 मित्र देशों के 24 विदेशी कैडेट भी शामिल थे। जनरल द्विवेदी ने कहा कि भले ही वे अलग-अलग देशों से आए हों, लेकिन एनडीए ने सभी को समान मूल्यों और आदर्शों से जोड़ा है।

ट्रम्प की बेटी टिफनी भारत दौरे पर, पति के साथ अक्षरधाम और ताजमहल पहुंचीं

नयी दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की बेटी टिफनी ट्रम्प अपने पति माइकल बोलुस के साथ भारत दौरे पर हैं। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने उनका स्वागत किया। दोनों ने दिल्ली स्थित स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर का दौरा किया। टिफनी ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर मंदिर यात्रा को शानदार अनुभव बताया।

इसके अलावा वे ताजमहल भी गए। दोनों की ताजमहल यात्रा की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। टिफनी ट्रम्प, डोनाल्ड ट्रम्प और उनकी पूर्व पत्नी मार्ला मेपल्स की बेटी हैं। उन्होंने 2022 में माइकल बोलुस से शादी की थी।

टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर हमले में 4 गिरफ्तार, ममता बोलीं- हेलमेट नहीं होता तो जान चली जाती

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले में पुलिस ने रविवार को 4 आरोपियों को अरेस्ट किया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इलाके से जुटाए गए वीडियो फुटेज के आधार पर रातभर छापेमारी कर आरोपियों को पकड़ा गया। वहीं, ममता बनर्जी ने भतीजे अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले को साजिश बताया। ममता ने कहा- अभिषेक ने अगर हेलमेट नहीं पहना होता तो उनकी मौके पर जान जा सकती थी। हमले के चलते शरीर में खून के थक्के जम गए थे। हमले के बाद अभिषेक

को जब हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया तो अस्पताल प्रशासन पर इलाज न करने का दबाव डाला गया। साथ ही उन्हें जल्द डिस्चार्ज करने को कहा गया। पश्चिम बंगाल के दक्षिण सोनारपुर में टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी के साथ शनिवार को मारपीट की गई। वे यहां चुनाव के बाद हुई हिंसा के पीड़ित टीएमसी कार्यकर्ताओं से मिलने पहुंचे थे।आरोप है भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन्हें घेर लिया और नारेबाजी करते हुए उनके साथ मारपीट कर दी। लोगों ने उन पर पत्थर, जूते और अंडे फेंके, उनकी शर्ट फाड़ दी। अभिषेक को हेलमेट पहनाकर वहां से निकाला गया। ममता ने कहा- साउथ कोलकाता के डीसीपी ने अस्पताल पर दबाव डाला- हमले के बाद अभिषेक को पहले अपोलो अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने घर पर आराम की सलाह दी थी। बाद में उन्हें बेले व्यू अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में अभिषेक से मिलने के बाद ममता बनर्जी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। ममता के 2 आरोप; बोलीं- अब घर पर इलाज-भाजपा नेताओं और दक्षिण कोलकाता के डीसीपी की ओर से डॉक्टरों और अस्पताल प्रबंधन को धमकी भरे फोन आ रहे थे।अगर अभिषेक की हालत गंभीर नहीं थी तो उन्हें इंटेसिव थैरेपी यूनिट (आईटीयू) में क्यों रखा गया? फिर अचानक उन्हें अस्पताल से छुट्टी क्यों दी गई? अब अभिषेक का इलाज घर पर ही होगा। उनके घर पर ऑक्सीजन सिलेंडर और अन्य मेडिकल उपकरण लगाए गए हैं।

ट्रम्प पूरी तरह स्वस्थ, 80 साली की उम्र में दिल की उम्र 14 साल कम, दिमागी टेस्ट में 30 में 30 अंक मिल

मेडिकल जांच के बाद डॉक्टर बोले- राष्ट्रपति की सेहत शानदार

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अगले महीने 14 जून को 80 साल के हो जाएंगे। उम्र के इस पड़ाव पर भी वह पूरी तरह फिट हैं। व्हाइट हाउस ने ट्रम्प की नई मेडिकल रिपोर्ट शुक्रवार को जारी की है। 3 पन्नों की इस रिपोर्ट में उनकी सेहत को बेहतरीन बताया गया है। ट्रम्प की मानसिक क्षमता की जांच के लिए मॉन्ट्रियल कॉग्निटिव असेसमेंट (एमओसीए) टेस्ट भी कराया गया। यह करीब 10 मिनट का टेस्ट होता है, जिससे डिमेंशिया, अल्जाइमर या दूसरी मानसिक समस्याओं के संकेतों का पता लगाया जाता है। ट्रम्प को इस टेस्ट में 30 में से पूरे 30 अंक मिले। व्हाइट हाउस के डॉक्टर शॉन पी. बारबाबेला ने बताया कि राष्ट्रपति पद की जिम्मेदारियां निभाने के लिए ट्रम्प पूरी तरह फिट हैं। उनकी दिले, फेफड़े, दिमाग और शरीर बहुत मजबूत है। ट्रम्प की 'कार्डियक एज' यानी दिल की वास्तविक उम्र उनकी असली उम्र से 14 साल कम है।ट्रम्प का यह मेडिकल चेकअप मंगलवार को वॉल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर में हुआ था। ट्रम्प अमेरिका के सबसे अधिक उम्र के राष्ट्रपति हैं। ऐसे में 22 विशेषज्ञ डॉक्टरों ने उनकी कई तरह की शारीरिक और मानसिक जांच की गई। इसमें सिटी स्कैन, हार्ट इमेजिंग, कैंसर स्क्रीनिंग और कई

प्रिवेंटिव टेस्ट शामिल थे। डॉक्टरों ने उनके दिल का अल्ट्रासाउंड (इकोकार्डियोग्राम) भी किया।पिछले साल उनके कार्डियोवैस्कुलर सिस्टम की अतिरिक्त जांच हुई थी और उन्हें क्रॉनिक वेनस इनसफिशिएंसी नाम की बीमारी बताई गई थी। इस स्थिति में पैरों की नसों को खून वापस दिल तक पहुंचाने में दिक्कत होती है। रिपोर्ट में कहा गया कि ट्रम्प का कॉग्निटिव (याद रखने और फैसले लेने की क्षमता) और फिजिकल परफॉर्मेंस एक्सीलेंट है। डॉक्टर ने लिखा कि ट्रम्प के व्यस्त शेड्यूल, लगातार मीटिंग्स, पब्लिक इवेंट्स और शारीरिक गतिविधियां उनकी ओवरऑल हेल्थ को सपोर्ट करती हैं। ट्रम्प का वजन अब 238 पाउंड यानी करीब 108 किलो है। यह मेडिकल तौर पर मोटेपे के करीब है। अप्रैल 2025 की पिछली मेडिकल जांच में उनका वजन 224 पाउंड यानी करीब 101.6 किलो था। ट्रम्प पहले सार्वजनिक तौर पर कह चुके हैं कि उन्होंने वजन घटाने वाली दवाएं नहीं ली हैं, हालांकि उन्होंने मजाक में यह भी कहा था कि शायद उन्हें लेनी चाहिए। जांच में शामिल डॉक्टर बारबाबेला ने ट्रम्प को वजन कम करने, हेल्दी डाइट अपनाने और ज्यादा फिजिकल एक्टिविटी की सलाह दी है। उन्हें कार्डियोवैस्कुलर हेल्थ और वेट लॉस को लेकर काउंसलिंग भी दी गई। मेडिकल रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प इस समय कॉलेस्ट्रॉल और हार्ट की तीन दवाएं ले रहे हैं। इनमें दो दवाएं, 'रोसुवास्टैटिन' और 'एजेटिमिब' कॉलेस्ट्रॉल कंट्रोल के लिए है। वहीं एक लो-डोज 'एस्पिरिन' हार्ट संबंधी बीमारियों से बचाव के लिए दी जा रही है। ट्रम्प की सेहत को लेकर पिछले कुछ समय से सवाल उठते रहे हैं। लोगों ने उनके हाथों पर बार-बार नीले निशान देखे हैं।

वन नेशन, वन इलेक्शन पर सुरक्षित रास्ता तलाश रही सरकार,पहले 20 राज्यों के चुनाव एक साथ करने पर विचार

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार वन नेशन वन इलेक्शन के लिए सुरक्षित रास्ता तलाश रही है। इसके लिए

बनी जेपीसी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक समिति 'टू-फेज ट्रांजिशन मॉडल' पर विचार कर रही है, जिससे राज्यों में बार-बार चुनाव कराने या विधानसभाओं के कार्यकाल में बहुत बड़ी कटौती करने की जरूरत न पड़े। पूरे देश को एक साथ चुनावी चक्र में लाने के बजाय दो चरणों- 2029 और 2034 में बढ़ने का विकल्प सबसे व्यावहारिक माना जा रहा है। पहले चरण में 2029 के लोकसभा चुनाव के साथ करीब 20 राज्यों के विधानसभा चुनाव कराए जा सकते हैं। संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी की अवधि 2026 के मानसून सत्र तक बढ़ाई जा चुकी है। ऐसे में 2029 से चुनावी चक्र एक करने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। वहीं, 2034 तक पूरे देश को साझा चुनावी चक्र में लाने का लक्ष्य है। लॉ कमीशन के पूर्व सदस्य और मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी के लॉ कॉलेज के डीन आनंद पालीवाल ने कहा कि एक देश-एक चुनाव' को चरणबद्ध तरीके से लागू करने के लिए संवैधानिक विकल्प मौजूद हैं। कुछ राज्यों में विधानसभा का कार्यकाल पूरा होने से पहले चुनाव कराए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों में कार्यकाल बढ़ाने के विकल्प भी हैं। भारत में पहले भी विशेष परिस्थितियों में लोकसभा और विधानसभाओं के कार्यकाल में बदलाव किए गए हैं। हालांकि किसी भी व्यापक बदलाव के लिए संसद द्वारा आवश्यक कानूनी प्रावधान और राजनीतिक सहमति जरूरी होगी। 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' पर विचार करने के लिए पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की अध्यक्षता में 2 सितंबर 2023 को एक पैनल का गठन किया गया था। इस पैनल ने हितधारकों-विशेषज्ञों के साथ चर्चा और 191 दिनों के शोध के बाद 14 मार्च को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी।

कौशल विकास शिक्षा के क्षेत्र में नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर को मिला 'नेताजी सुभाष चंद्र बोस आइकॉन अवार्ड 2026'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। कौशल विकास और रोजगारपरक शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए नैनी

इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर को प्रतिष्ठित 'नेताजी सुभाष चंद्र बोस आइकॉन अवार्ड 2026' से सम्मानित किया गया।ङ यह सम्मान वरिष्ठ भाजपा नेत्री एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्या श्रीमती आरती कोल जी के करकमलों द्वारा प्रदान किया गया। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि से संस्थान के विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा क्षेत्रवासियों में हर्ष और उत्साह का माहौल है। समारोह में उपस्थित गणमान्य अतिथियों ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में कौशल आधारित शिक्षा युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का सबसे प्रभावी माध्यम है। नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर ने पिछले वर्षों में तकनीकी एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करते हुए हजारों युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संस्थान द्वारा संचालित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों ने अनेक विद्यार्थियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य किया है। सम्मान प्रदान करते हुए श्रीमती आरती कोल ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनके आदर्शों से प्रेरित होकर यदि संस्थान युवाओं को शिक्षा, कौशल और आत्मविश्वास प्रदान कर रहे हैं, तो यह राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर की टीम को बधाई देते हुए कहा कि संस्थान का समर्पण और उत्कृष्ट कार्य समाज के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान समय में केवल शैक्षणिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि व्यावहारिक कौशल भी सफलता की कुंजी है। ऐसे में नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर जैसे संस्थान युवाओं को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित कर उन्हें बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर कर रहे हैं। यह सम्मान संस्थान की उपलब्धियों का प्रमाण होने के साथ-साथ भविष्य में और बेहतर कार्य करने की प्रेरणा भी देगा। संस्थान के प्रबंधन एवं प्रशिक्षकों ने इस सम्मान को पूरी टीम की मेहनत, विद्यार्थियों के विश्वास और समाज के सहयोग का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि संस्थान का उद्देश्य केवल प्रशिक्षण देना नहीं, बल्कि युवाओं को आत्मनिर्भर, सक्षम और राष्ट्रहित में योगदान देने वाला नागरिक बनाना है। इसी लक्ष्य के साथ संस्थान निरंतर गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, आधुनिक तकनीकी शिक्षा और रोजगारोन्मुखी कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है। समारोह के दौरान उपस्थित अतिथियों, शिक्षाविदों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर की उपलब्धियों की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि संस्थान आने वाले समय में कौशल विकास के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि ऐसे संस्थानों की सफलता से क्षेत्र के युवाओं को नई दिशा और प्रेरणा मिलती है, जिससे देश की आर्थिक और सामाजिक प्रगति को भी बल मिलता है। 'नेताजी सुभाष चंद्र बोस आइकॉन अवार्ड 2026' प्राप्त करना नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जो संस्थान की उत्कृष्ट कार्यशैली, गुणवत्ता पूर्ण प्रशिक्षण और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह सम्मान न केवल संस्थान के लिए गौरव का विषय है, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए भी प्रेरणा और सम्मान का प्रतीक बन गया है।

मीडिया सेंटर के प्रथम विशाल भंडारे में उमड़ा आस्था का सैलाब, पत्रकारों व श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

भारतीय पत्रकार एवं मानवाधिकार परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेन्द्र बहादुर सिंह, हरप्रीत सिंह, नौशाद अहमद, अभिनंदन सिंह सहित तमाम प्रतिष्ठित पत्रकारों का हुआ सम्मान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। ज्येष्ठ माह के पंचम शनिवार के पावन अवसर पर मीडिया सेंटर, बांसमंडी चौराहा चारबाग, लखनऊ द्वारा आयोजित प्रथम विशाल भंडारा श्रद्धा, सेवा और सामाजिक समरसता के वातावरण में भव्य रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पत्रकारों, समाजसेवियों एवं श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे के दौरान भारतीय पत्रकार एवं मानवाधिकार परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेन्द्र बहादुर सिंह, जिला उपाध्यक्ष हरप्रीत सिंह, जिला उपाध्यक्ष नौशाद अहमद, पत्रकार अभिनंदन सिंह सहित परिषद के अन्य पदाधिकारी, सदस्य एवं पत्रकार साथी उपस्थित रहे। इस अवसर पर आयोजकों द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेन्द्र बहादुर सिंह को राम दरबार भेंट कर विशेष सम्मान प्रदान किया गया। साथ ही हरप्रीत सिंह, नौशाद अहमद, अभिनंदन सिंह तथा परिषद के अन्य पदाधिकारियों, सदस्यों एवं उपस्थित पत्रकारों को भी सम्मानित कर उनके सामाजिक एवं पत्रकारिता क्षेत्र में योगदान की सराहना की गई।इस अवसर पर भारतीय पत्रकार एवं मानवाधिकार परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेन्द्र बहादुर सिंह एवं उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त संवाददाता समिति पुनर्गठन के संयोजक प्रभात त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित कर सेवा भाव का परिचय दिया। दोनों जाने माने प्रसिद्ध पत्रकारों ने उपस्थित लोगों से सामाजिक एकता, मानवीय मूल्यों एवं जनसेवा के कार्यों में बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाने का आह्वान किया। प्रसाद वितरण के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। सम्मान प्राप्त करने के उपरांत राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेन्द्र बहादुर सिंह ने आयोजकों के प्रति धन्यवाद एवं आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन समाज में भाईचारे, सेवा और मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज का सजग प्रहरी है और सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों में उसकी सक्रिय भागीदारी समाज को सकारात्मक दिशा प्रदान करती है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अमन अग्रवाल, पुनीत मोहन, पुष्पेन्द्र शर्मा, तारिक खान एवं मोहित लोधी सहित मीडिया सेंटर परिवार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजकों ने सभी अतिथियों, पत्रकारों एवं श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। देर शाम तक चले भंडारे में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। पूरे आयोजन स्थल पर भक्ति, सेवा और सामाजिक सौहार्द का वातावरण बना रहा, जिसे उपस्थित लोगों ने सराहनीय एवं प्रेरणादायी आयोजन बताया।

16 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद व 200 किलो लहन मौके पर नष्ट, 01 अभियोग पंजीकृत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। शनिवार को ग्राम- सुदौली ग्राम स्थित भंवरेश्वर मंदिर के आसपास एवं सई नदी

के तटवर्ती क्षेत्र में अवैध कच्ची शराब बनाने के अड्डों/संदिग्ध घरों में दबिश के दौरान जनपद में कुल 16 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद कर 200 किलो लहन बरामद कर लहन को मौके पर नष्ट किया गया एवं 01 अभियोग आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में पंजीकृत किया गया। जिले में अवैध शराब के निर्माण एवं बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु इस तरह की कार्यवाही आगे भी जारी रहेंगी।

जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका के आदेशानुसार, अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध जारी प्रवर्तन अभियान के अन्तर्गत जिला आबकारी अधिकारी रायबरेली के नेतृत्व में, आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-2 रोबिन आर्य एवं उन्नाव आबकारी की संयुक्त टीम द्वारा उन्नाव एवं रायबरेली जनपद की सीमा पर भँवरेश्वर मंदिर के आसपास एवं सई नदी के किनारे विभिन्न स्थानों पर दबिश की कार्यवाही की गयी।टीम द्वारा

आम जनता को आरोबी निर्माण से पूर्व उनकी सहुलियतो का ध्यान रखकर किया जाय कार्य-संदीप मिश्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शनिवार किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा का प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी जी से तीन सूत्रिय मांग को लेकर मिला जिसमें पहला रेलवे क्रासिग पर बन रहे आरोबी से होने वाली समस्याएं जो वहाँ के रहवासियो की हैं उस पर ध्यान आकृष्ट कराया व लगभग छ लाख लोगों के लिए उक्त रास्ता लाईफ लाईन है इस पर मोर्चा संयोजक ने सुझाव दिया कि बिहार खलियारी रामगढ़ पचूगन्ज से आने वाली छेटी गाड़ी बाईक को चतरा से धधरौल बाध होते हुए मुख्यालय से जोड़ा जाय तथा मुख्यालय से वापस जाने वालो को चुर्क सित्थरी से सजौर नहर की पटरी से पचूगन्ज खलियारी मार्ग पर जोड़ा जाय तथा बड़ी गाड़ियों को बेलखुरी तिवारीपुर से मधुपुर वाराणसी शक्तिनगर मार्ग से जोड़ा जाय साथ ही पर्यावरण हेतु मोर्चा संयोजक ने कहा कि सभी ग्राम पंचायत से फलदार वृक्ष लगवाए जाय जनपद का पर्यावरणी वातावरण आम अमरुद आंवला व कटहल के पेड़ के लिए अनुकुल है साथ ही मोर्चा संयोजक ने जल संचय को लेकर एक बड़ा सुझाव दिया कि यदि तालाबों का गहरी करण मशीनों द्वारा दो से ढाई मीटर कर दिया जाय तो पेय जल संकट जनपद से दूर होगा आज के कार्यक्रम में आकाश चौहान सत्रुधन बिन्द विजय बिन्द शुव बिन्द सन्जय बियार सत्यम पाण्डेय सुरज चौधरी धीरज कनौजिया व विन्दू प्रसाद खरवार मुखलाल चेरो उपस्थित रहे।

महंगाई से त्रस्त जनता को राहत दिलाने का समय, लोहिया के विचार आज भी प्रासंगिक-रंजीत यादव

लोहियावाहिनी के राष्ट्रीय सचिव बनने पर अधिवक्ताओं ने किया रंजीत यादव का स्वागत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। शनिवार को सिविल

कोर्ट परिसर, रायबरेली में अधिवक्ताओं ने समाजवादी पार्टी लोहियावाहिनी के राष्ट्रीय सचिव मनोनीत किए जाने पर अधिवक्ता रंजीत यादव का स्वागत किया। कार्यक्रम में सेंट्रल बार के संयुक्त मंत्री गोविंद सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता प्रमोद चौधरी, विजय सिंह, दिवाकर सिंह, अनूप पांडेय, मोहित यादव, कृष्णेंद्र श्रीवास्तव, आलोक जयंत, प्रमोद तिवारी सहित अनेक अधिवक्ता उपस्थित रहे। स्वागत से अभिभूत सपा नेता श्री यादव ने कहा कि केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकारों की आर्थिक नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि बढ़ती महंगाई आम लोगों के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी है। उन्होंने दावा किया कि डॉ. राम मनोहर लोहिया द्वारा प्रतिपादित 'दाम बांधो' नीति आज भी प्रासंगिक है और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर नियंत्रण तथा आमदनी एवं खर्च के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में उपयोगी सिद्ध हो सकती है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 का विधान सभा चुनाव लोकतांत्रिक मूल्यों की दृष्टि से महत्वपूर्ण होगा। विपक्षी दलों को जनता के मुद्दों को प्रमुखता से उठाना चाहिए तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने के लिए व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाना चाहिए। कार्यक्रम में सेंट्रल बार एसोसिएशन के संयुक्त सचिव गोविंद सिंह ने भी भाजपा सरकार की नीतियों की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में भ्रष्टाचार और प्रशासनिक चुनौतियों के कारण आम जनता को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने शिक्षा, रोजगार और विकास से जुड़े मुद्दों पर सरकार से जवाबदेही की मांग की। पूर्व कोषाध्यक्ष प्रमोद चौधरी ने महिला आरक्षण कानून के शीघ्र क्रियान्वयन की आवश्यकता पर बल दिया। श्री चौधरी ने कहा कि महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए। साथ ही उन्होंने दावा किया कि आगामी चुनावों में विपक्षी एकता महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। स्वागत कार्यक्रम में उपस्थित सभी वक्ताओं ने संयुक्त रूप से अपने संबोधनों में समाजवादी विचारधारा, सामाजिक न्याय, किसानों, युवाओं, महिलाओं तथा वंचित वर्गों के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने समाजवादी पार्टी के पूर्व कार्यकाल में शुरू की गई विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, सड़क निर्माण, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा से जुड़े कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए उन्हें जनहितकारी बताया। कार्यक्रम का समापन संगठन की मजबूती, जनसरोकारों के मुद्दों को आगे बढ़ाने तथा आगामी राजनीतिक चुनौतियों का लोकतांत्रिक तरीके से सामना करने के संकल्प के साथ हुआ।

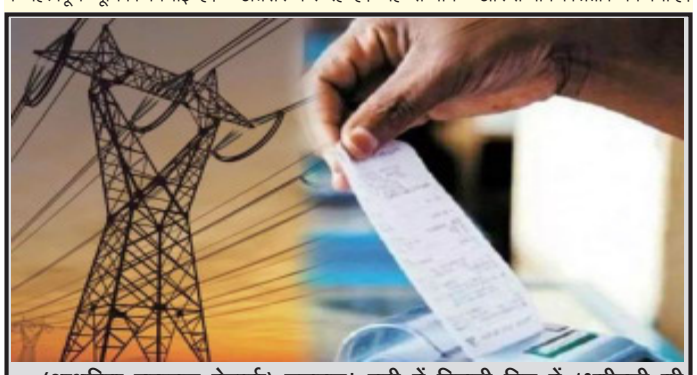

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। यूपी में बिजली बिल में 10फीसदी की बढ़ोतरी, जून से फ्यूल सरचार्ज के साथ आएगा बिल. भारी कटौती और किल्लत के बीच बिजली दरों में बढ़ोतरी से उपभोक्ताओं को झटका। यूपी पावर कॉरपोरेशन ने बिजली महंगी करने का फैसला किया।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। शनिवार को पुलिस उपायुक्त गंगानगर द्वारा पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर फरियादियों की शिकायतें सुनी गई तथा निस्तारण हेतु सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

60 वर्ष की सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए पम्प अटेंडेंट कमलेश सिंह, पालिका में विदाई समारोह

अध्यक्ष रूबी प्रसाद ने किया सम्मान, मृतक आश्रित को मिला नियुक्ति पत्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। नगर पालिका परिषद सोनभद्र के वरिष्ठ कर्मचारी पम्प

अटेंडेंट कमलेश सिंह 31.05.2026 को 60 वर्ष की आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हो रहे हैं। रविवार का अवकाश होने के कारण शनिवार को पालिका के सभाकक्ष में विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद ने की। इस अवसर पर अध्यक्ष ने कमलेश सिंह द्वारा पूरी तन्मयता एवं ईमानदारी से सेवा पूर्ण करने पर बधाई दी। उनसे हमेशा पालिका परिवार का हिस्सा बने रहने का अनुरोध किया। अध्यक्ष ने अंगवस्त्रम व स्मृति चिन्ह देकर कमलेश सिंह का सम्मान किया। पालिका सदस्य अनवर अली, मनोज चौबे, धर्मराज जैन, अजीत सिंह, सुजीत, संत कुमार, संजीव, विमलेश, आकाश सहित अन्य प्रतिनिधियों व कर्मचारियों ने माल्यार्पण कर उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया। समारोह में पालिका के दिवंगत सफाई मजदूर स्व. राजेन्द्र के पुत्र इन्दर को मृतक आश्रित के रूप में नियमित सफाई मजदूर पद पर नियुक्ति पत्र भी प्रदान किया गया। अध्यक्ष रूबी प्रसाद ने इन्दर को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

यूपी-बिहार में आंधी-बारिश से हुई 48 मौतें,सहारनपुर में 10 गाड़ियां बहीं,पंजाब में ओले गिरे

लखनऊ। देश में गर्मी के बीच 15 से ज्यादा राज्यों में प्री-मानसून बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। बिहार में पिछले 24 घंटे में आंधी-

बारिश और बिजली गिरने से 17 लोगों की मौत हुई है। पटना में बारिश के चलते 4 फ्लाइट डायवर्ट की गईं, जबकि 18 फ्लाइट लेट रहीं। इससे करीब 500 से ज्यादा यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। आज प्रदेश के 25 जिलों में बारिश की संभावना है। उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटे में आंधी-तूफान की वजह से 31 लोगों की मौत हो गई है। सहारनपुर में भारी बारिश के बाद पहाड़ी से तेज बहाव के साथ पानी नीचे आ गया। इससे इनोवा-ट्रैक्टर समेत 10 गाड़ियां बह गईं। आज भी सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट है। राजस्थान में शनिवार को 30 जिलों में आंधी के साथ ओले गिर सकते हैं। एक दिन पहले चूरू, हनुमानगढ़, बीकानेर, सीकर समेत 9 जिलों में तापमान 10 डिग्री तक गिर गया। पंजाब के पठानकोट में शनिवार सुबह ओले गिरे हैं। वहीं, मोहाली में तेज बारिश हुई। मौसम विभाग ने बताया कि मानसून अगले 7 दिनों में केरलम पहुंच सकता है। हालांकि विभाग ने इस साल मानसून के सामान्य से कमजोर रहने का अनुमान भी जताया है। आईएमडी के मुताबिक जून से सितंबर तक देश में औसतन सामान्य से कम बारिश हो सकती है। इस बार मानसून सीजन में 78 सेंटीमीटर बारिश होने का अनुमान है। देश में सामान्य मानसूनी बारिश का औसत 87 सेंटीमीटर माना जाता है। मौसम विभाग ने कहा कि बिहार, यूपी में सामान्य बारिश हो सकती है, लेकिन बाकी कई हिस्सों में सामान्य से कम बारिश होने की आशंका है। खासकर बारिश पर निर्भर खेती वाले इलाकों में मानसून कमजोर रह सकता है। 1 जून:- बिहार में 80 से 90 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली आंधी और ओले गिरने का अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने तमिलनाडु में भी शुक्रवार और शनिवार को बारिश और तेज हवाओं का अनुमान जताया है।

बाढ़ एवं सूखा राहत की तैयारियों में कोई कमी न रहे, संवेदनशील क्षेत्रों में बढ़ाएं जनजागरूकता-जिलाधिकारी

बाढ़ से पहले सभी तैयारियां पूरी करें, लापरवाही पर होगी कार्रवाई-जिलाधिकारी,संवेदनशील जलाशयों पर लगेंगे चेतावनी बोर्ड, गांव-गांव चलेगा जागरूकता अभियान,बाढ़ एवं सूखा राहत को लेकर प्रशासन अलर्ट, विभागों को दिए सख्त निर्देश,आपदा प्रबंधन की तैयारियों की समीक्षा, जनजागरूकता पर विशेष जोर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद में संभावित बाढ़ एवं सूखा राहत से संबंधित तैयारियों की समीक्षा हेतु जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आपदा से पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली जाएं, ताकि किसी भी आपात स्थिति में जन-धन की हानि को न्यूनतम किया जा सके। उन्होंने अधिशासी अभियंता सिंचाई विभाग एवं जिला पंचायत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन गांवों में प्रतिवर्ष बाढ़ की आशंका बनी रहती है, वहां विशेष चौपालों का आयोजन कर ग्रामीणों को बाढ़ से बचाव, राहत एवं पुनर्वास संबंधी जानकारी उपलब्ध कराई जाए। साथ ही ग्राम स्तर पर जनजागरूकता अभियान चलाकर लोगों को सतर्क एवं सजग बनाया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि तालाबों, पोखरों, बंधियों तथा अन्य जलाशयों में डूबने की घटनाओं को रोकने के लिए संवेदनशील स्थलों पर चेतावनी संबंधी साइनेज बोर्ड तत्काल लगाए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि यदि निरीक्षण के दौरान ऐसे स्थलों पर साइनेज बोर्ड नहीं पाए गए तो संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय करते हुए कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी के निर्देशानुसार बाढ़ से पूर्व सभी विभाग अपनी तैयारियां पूरी कर लें तथा राहत एवं बचाव कार्यों के लिए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करें। बाढ़ प्रभावित एवं संवेदनशील गांवों के व्हाट्सएप समूह बनाकर त्वरित सूचना तंत्र विकसित किया जाए, जिससे किसी भी आपदा की स्थिति में तत्काल सूचना का आदान-प्रदान हो सके। जिलाधिकारी ने विद्यालयों में विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन एवं बाढ़ से बचाव के उपायों की जानकारी देने के निर्देश भी दिए, ताकि समाज में जागरूकता का व्यापक प्रसार हो सके। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) श्री वागीश कुमार शुक्ला, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. पंकज राय, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी श्री अजय कुमार मिश्रा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जनकल्याणकारी कार्यों में सीएसआर की भूमिका बढ़ाएं, जिला प्रशासन से समन्वय बनाकर करें कार्य-जिलाधिकारी

सीएसआर मद से संचालित सभी गतिविधियों की पूर्व सूचना एवं अनुमति अनिवार्य-जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद में कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) मद के प्रभावी एवं पारदर्शी उपयोग को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि सीएसआर मद के माध्यम से संचालित होने वाले सभी जनकल्याणकारी कार्यों की सूचना जिला प्रशासन को समय से उपलब्ध कराना तथा आवश्यक अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य होगा। उन्होंने कहा कि कंपनियां स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास, पर्यावरण संरक्षण एवं अन्य सामाजिक क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की जानकारी मुख्य विकास अधिकारी, उपायुक्त उद्योग एवं सूचना अधिकारी को भी उपलब्ध कराएं। जिलाधिकारी ने कहा कि सीएसआर के अंतर्गत आयोजित स्वास्थ्य शिविर, शिक्षा संबंधी कार्यक्रम, जागरूकता अभियान एवं अन्य जनहितकारी गतिविधियों का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग इन योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन और कंपनियों के बेहतर समन्वय से सीएसआर मद का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि बिना सूचना एवं अनुमति के संचालित किए जाने वाले कार्यों को स्वीकृति प्रदान नहीं की जाएगी। सभी कंपनियां निर्धारित प्रक्रिया का अनुपालन करते हुए जनपद के विकास में सहभागी बनें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 श्री वागीश कुमार शुक्ला, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. पंकज राय, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी श्री अजय कुमार मिश्रा, अपर जिला सूचना अधिकारी श्री विनय कुमार सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

हत्या का केंद्र बन गये हैं अवैध अस्पताल और स्वास्थ्य विभाग मौतों का सौदागर हो गया है

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। भाजपा के संरक्षण में हो रहा मौत है का काला कारोबार। जिले में अवैध रूप से चल रहे अस्पतालों में लगातार मौतें हो रही है बावजूद कार्रवाई के उनको संरक्षण दिया जा रहा है। कहीं एनेस्थिसिया तो कहीं सर्जन नहीं और कहीं गायनोलॉजिस्ट के बिना ही महिलाओं का आपरेशन किया जा रहा है , जिस कारण अक्सर प्रसूताओं की जान चली जा रही है और उसके बच्चे अनाथ हो जा रहे हैं।सोनभद्र के गरीबों के जीवन के साथ खेल जा रहा है। बिना आवश्यक पंजीकरण और समुचित व्यवस्था के मुख्य चिकित्सा अधिकारी की मिली भगत से ये गोरख धंधा फल फूल रहा है और सत्ता पक्ष इन्हें संरक्षण दे रहा है। आखिर कब तक जिम्मेदार मौन साधे रहेंगे। समाजवादी पार्टी इस गोरख धंधे का पर्दाफाश कर इस मौत के सौदागरों पर कठोर कार्यवाही की मांग करती है।

लोकतंत्र का चौथा स्तंभ भरोसे और विश्वसनीयता का सबसे मजबूत आधार-दिनेश प्रताप सिंह

यूपी जर्नलिस्ट एसोसिएशन उ.प्र.देश, रायबरेली इकाई के संयोजन में हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने पर संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह आयोजित,पत्रकार सुरक्षा कानून, पेंशन और कल्याण योजनाओं की मांग उठी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने के ऐतिहासिक अवसर पर यूपी जर्नलिस्ट एसोसिएशन उत्तर प्रदेश, रायबरेली इकाई के संयोजन में शनिवार को शहर के सिविल लाइन स्थित होटल अमृतसरी हवेली में हिंदी पत्रकारिता दिवस, पत्रकार संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के वरिष्ठ एवं युवा पत्रकारों ने बड़ी संख्या में सहभागिता करते हुए हिंदी पत्रकारिता की गौरवशाली यात्रा, वर्तमान चुनौतियों तथा लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका पर विचार-विमर्श किया। मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ ही नहीं, बल्कि भरोसे, पारदर्शिता और विश्वसनीयता का सबसे मजबूत आधार है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने में पत्रकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। पत्रकारों की सबसे बड़ी पूंजी उनकी निष्पक्षता, ईमानदारी और निर्भीक लेखनी होती है। उन्हें व्यक्तिगत स्वार्थों से ऊपर उठकर समाज और राष्ट्रहित में कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि रायबरेली के पत्रकार अपनी निष्पक्ष और जनपक्षधर पत्रकारिता के कारण प्रदेश ही नहीं बल्कि देशभर में सम्मानजनक पहचान रखते हैं। राज्यमंत्री ने वरिष्ठ पत्रकार शिव मनोहर पांडेय ने पत्रकार सुरक्षा कानून लागू किए जाने, पत्रकारों के लिए सम्मानजनक पेंशन व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा सामाजिक सुरक्षा संबंधी प्रभावी योजनाएं लागू करने की पर बल दिया। वरिष्ठ पत्रकार अशोक मिश्रा ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र की चेतना का प्रहरी है और सत्य, निष्पक्षता तथा जनविश्वास ही इसकी सबसे बड़ी ताकत हैं। वरिष्ठ

स्वर्गीय भालेंदु मिश्रा को स्मरण करते हुए कहा कि पत्रकार समाज को दिशा देने का कार्य करते हैं तथा भारतीय संस्कृति, लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक सरोकारों को जीवित रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि समाचार पत्र और मीडिया शासन-प्रशासन को जनभावनाओं तथा जमीनी समस्याओं से अवगत कराते हैं, जिससे जनहित के निर्णय लेने में सहायता मिलती है। कार्यक्रम में पत्रकार हितों के मुद्दे प्रमुखता से उठाए गए। यूपी जर्नलिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष मांग की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा में अहम भूमिका निभाने वाले पत्रकारों को सुरक्षा और सम्मान प्रदान करना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। कार्यक्रम के संयोजक एवं जिला अध्यक्ष राजेश मिश्र 'राजन' ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता का दो शताब्दियों का इतिहास संघर्ष, त्याग, समर्पण और जनसरोकारों की गौरवशाली परंपरा का प्रतीक है। उन्होंने पत्रकार संगठनों को और अधिक मजबूत बनाने तथा पत्रकारों के लिए स्थायी कल्याण कोष के गठन की आवश्यकता पत्रकार इंद्रवीर सिंह भदौरिया ने कहा कि पत्रकारिता का मूल उद्देश्य समाज को जागरूक करना तथा सत्ता और जनता के बीच जवाबदेही का सेतु बनना है। उन्होंने तथ्यपरक और निष्पक्ष पत्रकारिता की परंपरा को जीवित रखने पर बल दिया। वरिष्ठ पत्रकार शिव प्रसाद यादव ने कहा कि पत्रकारिता की वास्तविक शक्ति उसकी विश्वसनीयता में निहित है। सूचना क्रांति के इस दौर में पत्रकारों की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ गई है तथा उन्हें प्रमाणिक और जनहितकारी समाचारों को प्राथमिकता देनी चाहिए। प्रेस क्लब अध्यक्ष प्रेम द्विवेदी ने पत्रकार एकता को समय की आवश्यकता बताते हुए सभी पत्रकारों को हिंदी पत्रकारिता दिवस की शुभकामनाएं दीं। वरिष्ठ पत्रकार अनुज अवस्थी ने कहा कि पत्रकारों को हर परिस्थिति में सत्य और तथ्य के साथ खड़ा रहना चाहिए। बी.एन. मिश्रा ने पत्रकारों को संवैधानिक दर्जा दिए जाने की मांग उठाई, जबकि महेश त्रिवेदी ने पत्रकारों को अपने अधिकारों और दायित्वों के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। वरिष्ठ पत्रकार आलोक पांडेय ने हिंदी पत्रकारिता में शुद्ध और प्रभावी हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग पर बल दिया। वहीं संजय मौर्य ने कहा कि सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के बीच सत्यापित और प्रमाणिक खबरों का प्रसार समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। संगोष्ठी के उपरांत पत्रकारिता एवं मीडिया क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पत्रकारों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने राघवेंद्र प्रताप सिंह, विवेक मिश्र 'पल्लू', हेमंत राजन मिश्रा, अपूर्व राजन मिश्र सहित बड़ी संख्या में पत्रकारों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में जिले के वरिष्ठ एवं युवा पत्रकारों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। समारोह ने हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्षों की गौरवशाली विरासत को स्मरण करते हुए पत्रकार एकता, सुरक्षा, सम्मान और कल्याण के मुद्दों को नई मजबूती के साथ सामने रखा। इस अवसर में बड़ी संख्या में पत्रकार और समाजसेवी महेंद्र अग्रवाल, जनप्रतिनिधि शैलेंद्र अग्निहोत्री को संगठन की तरफ से राज्य मंत्री ने सम्मानितकिया।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICE

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-
Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of India)

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

जैतपुर कांड के बाद एक्शन मोड में पुलिस 350 किलो गांजा जब्त, यूपी का तस्कर गिरफ्तार, 30 लाख से ज्यादा की खेप पकड़ी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) शहडोल। जैतपुर क्षेत्र में गांजा की ओर जा रहा था। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर गांजा लाकर मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में

कारोबार से जुड़े तीन युवकों की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के बाद जिले में शनिवार को नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस ने सख्त अभियान छेड़ दिया है। लगातार हो रही कार्रवाई से गांजा तस्करों के नेटवर्क पर दबाव बढ़ता जा रहा है। इसी क्रम में जयसिंहनगर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय गांजा तस्करी गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर निवासी राहुल कुमार चर्मकार को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब 350 किलो गांजा बरामद किया है। आरोपी उड़ीसा से गांजे की बड़ी खेप लेकर मध्यप्रदेश के रास्ते उत्तर प्रदेश जयसिंहनगर थाना पुलिस ने चंदेला मार्ग पर घेराबंदी कर वाहन को रोका और तलाशी के दौरान भारी मात्रा में गांजा बरामद किया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक लग्जरी इनोवा और एक स्विफ्ट कार भी जब्त की है। गांजा और दोनों वाहनों की कुल कीमत 30 लाख रुपये से अधिक आंकी गई है। हालांकि पुलिस की दबिश के दौरान गिरोह से जुड़े तीन अन्य आरोपी मौके का फायदा उठाकर फरार हो गए। उनकी पहचान कर ली गई है और गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमों को लगाया गया है। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि तस्कर उड़ीसा से सप्लाई करते थे। पुलिस अब जब्त मोबाइल फोन और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पूरे नेटवर्क की पड़ताल कर रही है। संभावना जताई जा रही है कि इस कार्रवाई से कई और अहम खुलासे हो सकते हैं। गौरतलब है कि पिछले कुछ महीनों में शहडोल पुलिस ने गांजा तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चलाया है। सड़क मार्ग, रेल मार्ग और निजी वाहनों के जरिए होने वाली तस्करी पर पुलिस की विशेष नजर है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने कहा कि नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और तस्करों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बहुजन समाज पार्टी ने की बूथ व सेक्टर स्तरीय समीक्षा बैठक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज/अमेठी। बसपा ने विकास भवन के नजदीक धर्मराज के आवास पर गौरीगंज में बूथ व सेक्टर स्तरीय समीक्षा बैठक किया। बैठक में बूथ, सेक्टरों की समीक्षा करते हुए जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार कमल ने बसपा 2027 में सत्ता में वापसी का प्रयास कर रही है। कार्यकर्ता पदाधिकारी ज़मीन पर उतरकर बूथ व सेक्टरों में लगातार, कार्य कर रहे हैं,सर्व समाज का गठजोड़ बहुजन समाज पार्टी से हो रहा है लोगों विश्वास पार्टी में बढ़ने के साथ -साथ लगातार जनाधार भी बढ़ रहा है। जिला महासचिव श्रवण कुमार यादव ने भाजपा, सपा, कांग्रेस अपने घोषणापत्र में किए गए वादों को कितना पूर्ण किया जनता को देखने की जरूरत है। आज प्रदेश में जंगलराज कायम है, उत्तर प्रदेश को लीक प्रदेश बना दिया है, युवाओं के सपनों को विफल किया जा रहा है। आने वाले समय में युवा बसपा से जुड़कर बसपा की सरकार बनाकर रोजगार, विकास की नींव रखेगा।

नकली नेता उर्फ़ बोध राम ने कहा हम जैसे सेक्टर और बूथ के कार्यकर्ता वादा करते हैं कि जब तक बसपा को 2027 में सत्ता में वापस लाकर माननीया बहन जी को मुख्यमंत्री नहीं बना देते हम सब चैन से बैठने वाले नहीं हैं।मंडल प्रभारी शिवराम गौतम ने जिला कार्यकारिणी, विधानसभा कार्यकारिणी को प्रेरित करते हुआ कहा आप सब जनता के बीच उनके सुख-दुख में जाएं जनता आपकी राह तक रही है।जिला उपाध्यक्ष बब्लू पाण्डेय ने कहा ब्राह्मण समाज बहन जी के नीतियों और कार्यों से प्रभावित है वह भी बसपा से जुड़ रहा है। बैठक में जिला पदाधिकारियों में जिला संयोजक (भाईचारा) रमेश मौर्य संजीव भारती (बामसेफ संयोजक) विधानसभा प्रभारी अध्यक्ष, एवं महासचिव लक्ष्मण प्रसाद गौतम, धर्मराज कोरी, विजय गौतम, राम अभिलाष बौद्ध, मोतीलाल, ओम प्रकाश पासी, राम फल फौजी,सिद्धार्थ कनौजिया, श्याम कुमार,के के आर्या,शमशेर बौद्ध,आर एस चक्रवर्ती,जगदीश सविता, सुरेन्द्र अम्बेडकर (विधानसभा बामसेफ संयोजक अमेठी) रामबोध उर्फ नकली नेता रोहसी खुर्द ,राम प्रसाद, राजेश कुमार, रामतीरथ, आदि मौजूद रहे।

अवैध अस्पताल में प्रसूता की मृत्यु पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, अस्पताल सील, संचालक के विरुद्ध एफआईआर दर्ज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शनिवार को जनपद में कोन, प्रसव हेतु कचनरवा पीएचसी पहुंची थीं। प्राथमिक

बिना पंजीकरण के अवैध रूप से संचालित ग्लोबल हॉस्पिटल, कोन में प्रसव के दौरान एक महिला की मृत्यु के मामले को जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच एवं कार्रवाई के निर्देश दिए। प्राप्त जानकारी के अनुसार सीमा पत्नी देवनारायण, निवासी सोना सिंगा, पोस्ट बागसोडी, थाना जांच के उपरांत उन्हें एम्बुलेंस 108 के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कोन के लिए रेफर किया गया था, किन्तु एम्बुलेंस के ईएमटी द्वारा मरीज को निर्धारित स्वास्थ्य केन्द्र के स्थान पर बिना पंजीकरण के संचालित ग्लोबल हॉस्पिटल पहुंचा दिया गया। आरोप है कि अस्पताल में ऑपरेशन के दौरान महिला की मृत्यु हो गई, जिसके बाद संबंधित चिकित्सक मौके से फरार हो गए। जिलाधिकारी के निर्देश पर उपजिलाधिकारी ओबरा श्री विवेक कुमार सिंह, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. गुलाब शंकर यादव, उप मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. कीर्ति आजाद बिन्द तथा क्षेत्राधिकारी कोन ने संयुक्त रूप से मौके पर पहुंचकर जांच की। जांच के दौरान मृतका के शव को पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया तथा अवैध रूप से संचालित ग्लोबल हॉस्पिटल को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। साथ ही अस्पताल के संचालक नसीम अहमद के विरुद्ध संबंधित थाने में एफआईआर दर्ज कराते हुए विधिक कार्रवाई प्रारम्भ कर दी गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनपद में अवैध रूप से संचालित चिकित्सालयों एवं स्वास्थ्य संस्थानों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी तथा दोषियों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा।

मेडिकल कॉलेज में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं हेतु मैनपावर एवं उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ कॉलेज में मैनपावर के अभाव में जिन उपकरणों एवं इंस्ट्रूमेंट्स का स्पष्ट रूप से निर्धारित की जाए तथा रोस्टर के अनुसार उनकी

की अध्यक्षता में आज मेडिकल कॉलेज में इंस्ट्रूमेंट एवं मैनपावर की समस्या के संबंध में अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मेडिकल कॉलेज के माध्यम से जन-जन को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना शासन एवं प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मेडिकल संचालन प्रभावित हो रहा है, उनके लिए संबंधित विभागों के माध्यम से आवश्यक मैनपावर की नियुक्ति की कार्यवाही तत्काल सुनिश्चित की जाए। साथ ही आवश्यक चिकित्सा उपकरणों एवं इंस्ट्रूमेंट्स की खरीद जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) के माध्यम से कराए जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने मेडिकल कॉलेज की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि सुरक्षा कर्मियों की जिम्मेदारी ड्यूटी लगाई जाए। उन्होंने समय-समय पर मेडिकल कॉलेज परिसर में सुरक्षा व्यवस्था की पेट्रोलिंग सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए, ताकि मरीजों एवं तीमारदारों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) श्री वागीश कुमार शुक्ला, प्राचार्य मेडिकल कॉलेज डॉ. आनंद कुमार सिंह, वरिष्ठ कोषाधिकारी श्री इंद्रभान सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बी0एड0 संयुक्त प्रवेश परीक्षा को लेकर प्रशासन अलर्ट नकलविहीन, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी परीक्षा सम्पन्न कराने हेतु व्यापक तैयारियां पूर्ण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश बी0एड0

संयुक्त प्रवेश परीक्षा 2026-28 को सकुशल, नकलविहीन एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क एवं प्रतिबद्ध है। शुक्रवार को जिलाधिकारी के निर्देशन में परीक्षा की शुचिता एवं गोपनीयता बनाए रखने हेतु व्यापक तैयारियां सुनिश्चित की गई हैं तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। जिलाधिकारी द्वारा परीक्षा के सफल संचालन हेतु अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) श्री वागीश कुमार शुक्ल को नगर प्रभारी नामित किया गया है। इस परीक्षा के सफल संचालन हेतु आज कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 श्री वागीश कुमार शुक्ला की अध्यक्षता मे बैठक की गयी, बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 ने कहा कि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ओबरा के प्राचार्य प्रो0 (डॉ0) प्रमोद कुमार को जनपद नोडल समन्वयक तथा राजकीय मॉडल महाविद्यालय पवनी कला के प्राचार्य डॉ0 परवेज आलम को उप नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। परीक्षा केन्द्रों पर निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित परीक्षा संचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से केन्द्र प्रतिनिधियों की तैनाती गयी है। यह परीक्षा दिनांक 31 मई,2026 को प्रथम पाली सुबह 09:00 से 12:00 बजे, द्वितीय पाली में 02:00 बजे से 05:00 बजे तक, जनपद में 06 परीक्षा केन्द्र बनाये गये है, इस परीक्षा में कुल 2186 परीक्षार्थी सम्मलित होगें। प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर एक स्ट्रेटिक मजिस्ट्रेट तैनात किये गये है। प्रश्नपत्रों की सुरक्षा एवं गोपनीयता बनाए रखने के लिए उन्हें कोषागार के डबल लॉक में सुरक्षित रखा जाएगा तथा परीक्षा सामग्री को निर्धारित समय पर परीक्षा केन्द्रों तक पहुंचाने हेतु विशेष व्यवस्था की गई है। पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे परीक्षा शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराई जा सके। इसके अतिरिक्त संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी तथा परीक्षा से संबंधित गोपनीय अभिलेखों एवं सामग्री की सुरक्षा हेतु कड़े प्रबंध किए गए हैं। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शासन की मंशा के अनुरूप परीक्षा को पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं शुचिता के साथ सम्पन्न कराया जाएगा तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

धर्मदासपुर में शीतला मंदिर में मूर्ति तोड़फोड़, भाजपा नेता ने की कार्रवाई की मांग

पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में लिया, गांव में शांति बनाए रखने की अपील

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। विधानसभा रॉबर्ट्सगंज अराजक तत्वों ने हनुमान जी व अन्य मूर्तियों की तोड़फोड़ कर दी।

के ग्राम धर्मदासपुर में गांव के बाहर स्थित माता शीतला मंदिर में सुबह घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय कार्यकर्ताओं ने भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक मिश्रा को सूचना दी। अशोक मिश्रा तत्काल कार्यकर्ताओं के साथ मौके पर पहुंचे और शीतला मंदिर का जायजा लिया। उन्होंने एसपी व सीओ राहुल पाण्डेय से वार्ता कर अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एक व्यक्ति को थाने लाकर पूछताछ शुरू कर दी है। पूर्व जिलाध्यक्ष ने बताया कि गांव में पूर्ण शांति व्यवस्था है। उन्होंने सभी लोगों से आग्रह किया कि गांव का माहौल खराब न हो। अराजक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई होगी। घटना में लिप्त लोग किसी भी कीमत पर बख्शे नहीं जाएंगे। इस दौरान राजबली, आशीष जायसवाल, पंकज, कृष्ण कुमार जायसवाल, विजय यादव, सुनील यादव समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बग़ैर वैकल्पिक व्यवस्था बनाए राबर्ट्सगंज खलियारी मार्ग रेलवे क्रॉसिंग को बंद न किया जाए

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उपरोक्त मांग पूर्व विधायक एवं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय

सचिव अविनाश कुशवाहा ने शुक्रवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर किया।उन्होंने कहा कि उपरोक्त प्रांतीय राजमार्ग मार्ग उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश एवं बिहार राज्य को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग है जिस पर प्रतिदिन हजारों वाहनों से स्थानीय नागरिकों, किसानों, व्यापारियों मरीजों, एवं छात्रों का आवागमन होता है। कार्यदायी संस्था को बगैर वैकल्पिक व्यवस्था बनाए मार्ग को अवरुद्ध किया जाना बहुत ही गैर जिम्मेदारी एवं अविवेकी निर्णय है। इस प्रचण्ड गर्मी में मरीजों एवं आम जन का बहुत बुरा हाल है एंबुलेंस एवं अन्य अति आवश्यक सेवाएं बहुत बुरी तरह प्रभावित हो जाएंगी ऐसे में कोई घटना घटित होती है उसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। उन्होंने जिलाधिकारी से वैकल्पिक व्यवस्था बनाए जाने तक मार्ग को चालू रखने की मांग किया है।

प्रकाश जीनियस पब्लिक स्कूल में 10 दिवसीय समर कैंप का समापन,बच्चों ने नृत्य, कराटे, योग व हस्तकला में दिखाई प्रतिभा, अभिभावकों ने की सराहना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। प्रकाश जीनियस पब्लिक इंग्लिश स्कूल में शनिवार को 10 दिवसीय समर कैंप का

समापन समारोह आयोजित हुआ। कैंप में छात्र-छात्राओं को नृत्य कला, चित्रकला, कराटे, योग, हस्तकला और व्यक्तित्व विकास से जुड़ी गतिविधियों का प्रशिक्षण अनुभवी शिक्षकों द्वारा दिया गया। समापन अवसर पर बच्चों ने प्रशिक्षण के दौरान सीखे कौशल को माता-पिता के सामने प्रस्तुत किया। बच्चों की प्रस्तुतियों में 'मै निकला गड्डी लेकर', 'शुभारंभ', 'जादू' आदि कार्यक्रमों को अभिभावकों ने खूब सराहा। विद्यालय के प्रबंधक राजेंद्र प्रसाद जैन ने बताया कि समर कैंप का उद्देश्य बच्चों के सर्वांगीण विकास के साथ उनकी छिपी प्रतिभाओं को मंच देना था। मुख्य कार्यकारी अधिकारी संतोष कुमार पांडे ने कहा कि समर कैंप बच्चों के व्यक्तित्व विकास, रचनात्मकता और आत्मविश्वास बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। इस अवसर पर प्रधानाचार्य अंबर उपाध्याय, उप प्रधानाचार्य सुरेंद्र यादव सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

श्री महन्तू
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज
नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

वैभव सूर्यवंशी के फैन हुए अमिताभ बच्चन,बोले- इस उम्र में हम गुल्ली-डंडा भी नहीं खेल पाते थे,वैभव झारखंड स्वास्थ्य विभाग के ब्रांड एंबेसडर बनेंगे

पटना। अमिताभ बच्चन बिहार के 15 साल के क्रिकेटर

वैभव सूर्यवंशी के फैन हो गए हैं। उन्होंने एक्स पर वैभव की तारीफ करते हुए लिखा- '15 साल की उम्र का अद्भुत सूर्या। इस उम्र में तो हम बंटों और गुल्ली-डंडा भी ठीक से नहीं खेल पा रहे थे।' वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल -2026 में शुक्रवार को 440 गेंद में अपने 1000 रन पूरे किए। वे आईपीएल में सबसे कम गेंद में हजार रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने आंद्रे रसेल का रिकॉर्ड ध्वस्त किया, जिन्होंने हजार रन बनाने के लिए 545 गेंद खेली थीं। इससे पहले एक सीजन में 65 छक्के लगाकर उन्होंने क्रिस गेल का 14 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। क्रिस गेल ने 2012 में 59 छक्के लगाए थे। आईपीएल 2026 में वैभव ने कुल 72 छक्के लगाए हैं। इस सीजन में सबसे ज्यादा रन भी वैभव सूर्यवंशी के ही नाम हैं। वैभव बनेंगे झारखंड स्वास्थ्य विभाग के ब्रांड एंबेसडर- झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने वैभव सूर्यवंशी को झारखंड स्वास्थ्य विभाग का ब्रांड एंबेसडर बनाने की घोषणा की है। उन्होंने एक्स पर लिखा, वैभव, भले ही

बेहद खुशी है कि वैभव सूर्यवंशी ने एक ही सीजन में सबसे ज्यादा छक्कों का मेरा रिकॉर्ड तोड़

तुम्हारी टीम मैच हार गई हो, लेकिन तुम करोड़ों भारतीयों का दिल जीत चुके हो। मैं स्वयं क्रिकेट का खिलाड़ी रहा हूं, लेकिन इतनी कम उम्र में बड़े-बड़े अंतरराष्ट्रीय स्तर के

गेंदबाजों का जिस आत्मविश्वास और आक्रामकता से सामना करते हुए लगातार धुनाई करना, यह असाधारण प्रतिभा का प्रमाण है। तुमने केवल अपना नाम ही नहीं, बल्कि अपने माता-पिता, बिहार और पूरे हिंदुस्तान का नाम रोशन किया है। इसके लिए तुम्हें दिल से बधाई देता हूं। जल्द ही मैं तुम्हें झारखंड में सम्मानित करूंगा।' क्रिस गेल बोले- सिर्फ वैभव मेरा रिकॉर्ड तोड़ सकता था-वैभव सूर्यवंशी की विस्फोटक बल्लेबाजी देख क्रिस गेल भी उनके मुरीद हो गए। इंडियन स्पोर्ट्स नेटवर्क के मुताबिक, गेल

सकता है, तो वह सिर्फ वैभव सूर्यवंशी ही होंगे। आज मुझे

दिया। महज 15 साल की उम्र में ऐसा करना आसान नहीं है और इतनी कम उम्र में दुनिया में किसी ने यह उपलब्धि हासिल नहीं की।

' सूर्यवंशी ने शुक्रवार को

440 गेंद में अपने 1000 आईपीएल रन पूरे किए। वे आईपीएल में सबसे कम गेंद में हजार रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने आंद्रे रसेल का रिकॉर्ड ध्वस्त किया, जिन्होंने हजार रन बनाने के लिए 545 गेंद खेली थी। सूर्यवंशी ने गुजरात के खिलाफ पावरप्ले में 31 रन बनाए। इसके साथ ही वह एक आईपीएल सीजन के पावरप्ले में 500 रन पूरे करने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस सीजन में पावरप्ले में 233.63 के स्ट्राइक रेट से 521 रन बनाए हैं। इससे पहले

यह रिकॉर्ड सनराइजर्स हैदराबाद के डेविड वॉर्नर के नाम था, जिन्होंने 2016 में पावरप्ले में 467 रन बनाए थे। सूर्यवंशी

ने न्यू चंडीगढ़ में आईपीएल में अपने 1000 रन भी पूरे कर लिए। वे अपनी 23वीं पारी में इस

आंकड़े तक पहुंचे। वे आईपीएल में सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले भारतीय बने। उन्होंने साईं सुदर्शन को पीछे छोड़ा, जिन्होंने इसके लिए 25 पारी खेली थी। ओवरऑल आईपीएल में सबसे कम पारी में हजार रन बनाने वाले खिलाड़ियों में वे शॉन मार्श (21 पारी) और लेंडल सिमंस (23 पारी) के बाद तीसरे नंबर पर हैं। वैभव ने गुजरात के खिलाफ क्वालीफायर-2 में 96 रन पर आउट हुए। वे आईपीएल में सबसे ज्यादा बार 'नर्वस नाइंटीज' (90-99 रन) का शिकार होने वाले खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं। वे इसी सीजन पिछली चार पारी में तीसरी बार 90 से 99 रन के बीच आउट हुए। इससे पहले डेविड वॉर्नर, केएल राहुल, ग्लेन मैक्सवेल और ऋतुराज गायकवाड़ आईपीएल में

के बल्लेबाज यूवराज सिंह भी वैभव को बधाई दी है। उन्होंने लिखा, बॉस बेबी ने दुनिया के दिग्गजों का रिकॉर्ड तोड़ दिया! यकीन करना मुश्किल है, इस बच्चे को बल्लेबाजी करते देखना शानदार है। माइकल वॉन- इंग्लैंड के पूर्व खिलाड़ी माइकल वॉन ने लिखा, 'वैभव सूर्यवंशी दुनिया के बेहतरीन ओपनर्स में से एक हैं। अब उन्हें भारतीय क्रिकेट टीम में मौका दिया जाना चाहिए।' पी. चिदबंरम- कांग्रेस नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदबंरम ने भी वैभव सूर्यवंशी को बधाई दी है। उन्होंने लिखा, 'वैभव सूर्यवंशी ने 29 गेंदों में अविश्वसनीय 97 रन बनाए। वह शतक से सिर्फ 3 रन दूर रह गए। यह जरूर एक अफसोसजनक चूक रही, लेकिन उनकी शानदार पारी लंबे समय तक याद रखी जाएगी।' सचिन तेंदुलकर- सचिन ने वैभव सूर्यवंशी की तारीफ करते हुए लिखा, 'वैभव सूर्यवंशी का बैट स्विंग ज़बरदस्त है। इससे भी ज्यादा कमाल की बात यह है कि वह कितनी खूबसूरती से अपना अगला पैर हटाकर पैरों की तरफ आने वाली गेंदों के लिए जगह बनाते हैं। यही आज़ादी उन्हें अपने स्वाभाविक अंदाज़ में खेलने में मदद करती है। उनकी यह पारी किसी शानदार करिश्मे से कम नहीं थी!'

3-3 बार 90ज़ में आउट हो चुके हैं। सूर्यवंशी ने क्वालीफायर-2 के मुकाबले में 7 छक्के लगाए। इसके साथ ही वे आईपीएल के एक सीजन में प्लेऑफ में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने एलिमिनेटर में हैदराबाद के खिलाफ 12 छक्के लगाए थे। उनके प्लेऑफ में 19 छक्के हो गए हैं। इस मामले में उन्होंने ऋद्धिमान साहा (2014) और शुभमन गिल (2023) का 11-11 छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ा। वैभव ने गुजरात के खिलाफ फिफ्टी लगाई। इसके साथ ही वे आईपीएल प्लेऑफ में दो 50 प्लस स्कोर करने वाले राजस्थान के तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले सूर्यवंशी ने एलिमिनेटर में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 97 रन बनाए थे। उनसे पहले ध्रुव जुरेल (2024, 2026) और जोस बटलर (2022) ने प्लेऑफ में राजस्थान के लिए दो फिफ्टी या उससे ज्यादा का स्कोर बनाया

था। वैभव सूर्यवंशी की बैटिंग पर किसने क्या कहा-यूवराज सिंह- भारत के स्टार बाएं हाथ

2000 सिगरेट जितनी खतरनाक ई-सिगरेट, राजस्थान में बिक रही,7 साल पहले बैन,पी रहे, दुकानदार बोले- चाहे जितनी मिलेगी

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग हाल ही

में जयपुर में मैच के दौरान ड्रेसिंग रूम में ई-सिगरेट (वेप) पीते हुए पकड़े गए थे। लोकसभा के अंदर भी स्पीकर ओम बिरला ने एक सांसद को ई-सिगरेट पीते टोका था। ये मामले चौंकाने वाले हैं, क्योंकि भारत में ई-सिगरेट साल 2019 से बैन है। इसकी वजह इससे होने वाली मौतें हैं। 2019 में ही अमेरिका में 4 महीने में 39 लोगों की जान चली गई थी। ये कितनी खतरनाक है, इसका अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि सामान्य सिगरेट में जहां 10-15 कश (पफ) होते हैं, वहीं ई-सिगरेट में 30 हजार तक पफ होते हैं। यानी 1 ई-सिगरेट 2000 सामान्य सिगरेट के बराबर होती है। हाल ही में डीआरआई (Directorate of Revenue Intelligence) ने 120 करोड़ रुपए की ई-सिगरेट पकड़ी थी। लगातार मामले सामने आने के बाद भास्कर टीम ने जयपुर और जोधपुर में इन्वेस्टिगेशन किया तो पान की दुकानों और थड़ियों पर ई-सिगरेट बिकती मिली। खरीदने वाले ज्यादातर नाबालिग स्टूडेंट्स। होम डिलीवरी तक की जा रही है। ई-सिगरेट एक तरह की इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस होती है। इसमें बैटरी होती है, जिसे सी-टाइप चार्जर से चार्ज किया जाता है। डिवाइस के अंदर एक हीटिंग कॉइल भी होती है। इसके अंदर निकोटिन, ग्लिसरीन, प्रॉपलिन, ग्लाइकोल और केमिकल वाले कई फ्लेवर होते हैं। कश खींचने पर बैटरी केमिकल को हीटिंग कॉइल से गर्म करके एक धुएं के रूप में बाहर निकालती है। ये केमिकल वाला धुआं सीधे फेफड़ों को डैमेज करता है। केमिकल खत्म होने पर रीफिल भी कराया जाता है।इसलिए खतरनाक है : एक स्टूडेंट के सांस की नली में छल्ले बने, लंग्स खराब डॉक्टर शीतू सिंह ने बताया कि उनके पास हर महीने 2 गंभीर मरीज आ रहे हैं, जिनकी तबीयत ई-सिगरेट के कारण बिगड़ी। उन्होंने बताया कि एक कॉलेज स्टूडेंट करीब 7 महीने से वेप पी रहा था। उसकी सांस की नली में छल्ले बन गए। सांस नहीं ले पा रहा था। लंग्स खराब होने लगे। ऐसे में उसे वेंटिलेटर पर रखना पड़ा। अब उसकी तबीयत ठीक है। ज्यादातर कस्टमर कॉलेज स्टूडेंट्स, ई-सिगरेट की होम डिलीवरी भी- ई-सिगरेट की लत के शिकार में ज्यादा युवा और कॉलेज स्टूडेंट्स हैं। ई-सिगरेट के नाम से मांगने पर कोई भी नहीं देगा। वेप मांगने पर ही रेस्पॉन्स मिलेगा। ज्यादातर दुकानदार रेगुलर कस्टमर को ही ई-सिगरेट देते हैं। इसके अलावा कई लोग ई-सिगरेट की होम डिलीवरी भी करते हैं। रिपोर्टर ने गूगल पर ई-सिगरेट और वेप के बारे में सर्च किया तो कई सारे नंबर आ गए। इन नंबरों पर कॉल किया तो किसी ने रिस्पॉन्स नहीं दिया। इसके बाद इन नंबरों पर वॉट्सऐप कॉल किया। डीपी में ई-सिगरेट की फोटो थी। कॉल रिसीव करने वाले ने एक वेप की कीमत 1500 रुपए बताई। बोला- पोर्टर से होम डिलीवरी होगी। पहले एडवांस देना होगा। कैसे भी माल मिल जाएगा? सरकार ने 2019 में लगाया था ई-सिगरेट पर प्रतिबंध-भारत सरकार ने साल 2019 में ई-सिगरेट और सभी इलेक्ट्रॉनिक निकोटिन डिलीवरी सिस्टम पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया था। 2019 में प्रोहिबिशन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट एक्ट 2019 लागू किया गया था। इस कानून के तहत ई-सिगरेट बनाना, आयात, निर्यात, बिक्री, ट्रांसपोर्ट, स्टोरेज और विज्ञापन करना पूरी तरह गैरकानूनी है। सरकार का मानना है कि ई-सिगरेट से युवाओं को निकोटिन की लत लग जाती है। इससे गंभीर स्वास्थ्य की समस्याएं पैदा हो सकती हैं, जो बहुत हानिकारक है। 3 साल में 20 हजार से ज्यादा ई-सिगरेट जब्त-डीआरआई जयपुर की टीम ने सी स्कीम और विद्याधरनगर एरिया में 10540 ई-सिगरेट जब्त की थी। इनकी कीमत करीब 1.55 करोड़ रुपए थी। जयपुर में दो बड़े गोदामों पर भी रेड की थी। 3 साल में डीआरआई 20000 से ज्यादा ई-सिगरेट जब्त कर चुका है। ये ई-सिगरेट चीन, मलेशिया और दुबई से मंगाई गई थी। पुलिस ने 8 मुकदमे दर्ज किए थे और 8 लोगों को गिरफ्तार किया था। ये आंकड़े 30 अप्रैल 2025 तक पुलिस रिकॉर्ड के हैं।

नौतपा में छोटे बच्चों को रखें सेफ, बाहर भेजते हुए ध्यान रखें 7 बातें, कोल्डड्रिंक/आइसक्रीम की जगह पिलाएं ये हेल्दी ड्रिंक्स

नयी दिल्ली। मौसम विभाग के मुताबिक, देश के कई शहरों में इन दिनों टेम्परेचर 45 डिग्री सेल्सियस के पार है। नौतपा के दौरान हाई टेम्परेचर और गर्म हवाओं से लू (हीट स्ट्रोक) का

रिस्क बढ़ जाता है। इसका सबसे ज्यादा असर छोटे बच्चों पर पड़ता है। दरअसल बच्चों का शरीर ज्यादा गर्मी या सर्दी के लिए तैयार नहीं होता है। शरीर एडॉप्शन सीख रहा होता है, उसे मदद की जरूरत होती है। ऐसे में थोड़ी सी लापरवाही से बच्चे की स्थिति गंभीर हो सकती है। बच्चों की दिनचर्या और खानपान में कुछ बदलाव करके उन्हें हीट स्ट्रोक यानी लू से बचाया जा सकता है। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में जानेंगे कि- किन बच्चों को हीट स्ट्रोक का ज्यादा रिस्क होता है? छोटे बच्चों को हीट स्ट्रोक से कैसे बचाएं? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट: डॉ. बिलाल खान, सीनियर कंसल्टेंट, पीडियाट्रिक मेडिसिन एंड पीआईसीयू, नारायणा हॉस्पिटल, गुरुग्राम और दिल्ली) सवाल- अगर ऊपर ग्राफिक में बताए लक्षण न दिख रहे हों और बच्चा सिर्फ सुस्त हो तो क्या यह हीट स्ट्रोक का संकेत हो सकता है? जवाब- हां, ज्यादा सुस्ती भी बच्चों में गर्मी से जुड़ी परेशानी का शुरुआती संकेत हो सकती है। लेकिन इसे सीधे हीट स्ट्रोक मानना सही नहीं है। अगर सुस्ती के साथ- ज्यादा प्यास चक्कर, सिरदर्द, उल्टी/मितली, शरीर गर्म लगना, जैसे लक्षण दिखें तो सतर्क हो जाना चाहिए। सवाल- किन संकेतों पर तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए?जवाब- ऐसी ऑर्गन्स की सेल्स ज्यादा सेंसेटिव होती हैं, इसलिए उन्हें लू का रिस्क ज्यादा होता है। सवाल- बच्चों को लू जल्दी क्यों लगती है? जवाब- इसके कई कारण हैं। पॉइंटर्स से समझिए- बच्चों का थर्मोरेगुलेशन सिस्टम (बॉडी टेम्परेचर कंट्रोल करने की क्षमता) पूरी तरह विकसित नहीं होता है। उनका हीट के प्रति एडाप्टेशन कमजोर होता है। इससे शरीर का फ्लूइड बैलेंस जल्दी बिगड़ता है और वे डिहाइड्रेट हो जाते हैं। इसलिए जल्दी लू लग जाती है। बच्चे ज्यादा एक्टिव होते हैं। वह खेलते समय गर्मी के असर को नजरअंदाज कर देते हैं। वे प्यास, चक्कर या कमजोरी जैसे शुरुआती संकेतों को पहचान या व्यक्त भी नहीं कर पाते। इससे समस्या गंभीर होने का रिस्क बढ़ जाता है। (डॉ. बिलाल खान सीनियर कंसल्टेंट, पीडियाट्रिक मेडिसिन एंड पीआईसीयू, नारायणा हॉस्पिटल, गुरुग्राम और दिल्ली) सवाल- अगर ऊपर ग्राफिक में बताए लक्षण न दिख रहे हों और बच्चा सिर्फ सुस्त हो तो क्या यह हीट स्ट्रोक का संकेत हो सकता है? जवाब- हां, ज्यादा सुस्ती भी बच्चों में गर्मी से जुड़ी परेशानी का शुरुआती संकेत हो सकती है। लेकिन इसे सीधे हीट स्ट्रोक मानना सही नहीं है। अगर सुस्ती के साथ- ज्यादा प्यास चक्कर, सिरदर्द, उल्टी/मितली, शरीर गर्म लगना, जैसे लक्षण दिखें तो सतर्क हो जाना चाहिए। सवाल- किन संकेतों पर तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए?जवाब- ऐसी स्थिति में तुरंत डॉक्टर से कंसल्ट करें- दौरे आना। तेज सिरदर्द और चक्कर आना। शरीर का तापमान (लगभग 103फैरेन या उससे ऊपर) बढ़ना। बेहोश या बार-बार सुस्त होना। कन्फ्यूजन होना, अजीब व्यवहार करना। बार-बार उल्टियां या पानी न पी पाना। जल्दी-जल्दी सांस लेना या धड़कन तेज होना। पसीना बंद हो जाना और स्किन बहुत गर्म/ड्राई लगना। सही डाइट, पर्याप्त पानी और धूप से बचाव ये सभी मिलकर बच्चे के शरीर को ओवरहीट होने से बचाते हैं। सवाल- क्या बार-बार नहलाना बच्चे को हीट स्ट्रोक से बचा सकता है? जवाब- नहीं, यह शरीर को ठंडा रखता है और ओवरहीटिंग से बचाता है। इसके बावजूद यह पूरी तरह हीट स्ट्रोक नहीं बचा सकता है। बच्चे को नहलाने के साथ- हाइड्रेटेड रखें। दोपहर में सनलाइट एक्सपोजर से बचाएं। उसे ठंडा एनवायर्नमेंट दें। सवाल- गर्मी में किसी काम से बाहर जाने वाले बच्चों के लिए क्या विशेष सावधानियां बरतना जरूरी है? जवाब- इसके लिए बच्चों को हाइड्रेशन से जुड़ी आदतें सिखाएं। उन्हें पानी की बॉटल, कैप आदि देकर भेजें। कुछ बेसिक सावधानियों से उन्हें गर्मी के असर से सुरक्षित रखा जा सकता है। सवाल- क्या छोटे बच्चों के लिए एसी और कूलर का इस्तेमाल सुरक्षित है? जवाब- हां, लेकिन इस दौरान टेम्परेचर का ध्यान रखना चाहिए। गलत इस्तेमाल (बहुत ठंडा तापमान, डायरेक्ट हवा, अचानक टेम्परेचर में बदलाव) से सर्दी-खांसी, ड्राई स्किन, नाक में जलन या सांस संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। अगर बच्चा नवजात है तो एसी और कूलर के इस्तेमाल से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें। सवाल- गर्मियों में बच्चे अक्सर आइसक्रीम, कोल्डड्रिंक की जिद करते हैं। उसकी जगह बच्चों को कौन-से हेल्दी कूलिंग ड्रिंक्स दे सकते हैं? जवाब- बच्चों को इसकी बजाय ये हेल्दी समर कूलिंग ड्रिंक्स दें- नारियल पानी नींबू पानी, आम पन्ना, छाछ, लस्सी, तरबूज का जूस, घर पर बने ताजे फल/सब्जी के स्मूदी और जूस, बेल का शरबत, ये ड्रिंक्स हाइड्रेटेड रखते हैं और पेट को ठंडक पहुंचाते हैं। साथ ही जरूरी विटामिन्स/इलेक्ट्रोलाइट्स से भरपूर भी होते हैं। सवाल- अगर बच्चे को हीट स्ट्रोक हो जाए तो घर पर तुरंत क्या करना चाहिए? जवाब- बच्चे को हीट स्ट्रोक हो जाए तो- तुरंत ठंडी जगह पर ले जाएं। बच्चे के कपड़े ढीले करें या एक्स्ट्रा कपड़े हटाएं। बच्चे को ठंडी हवा में रखें। गीले कपड़े/स्पंज से शरीर पोंछें, खासकर गर्दन, बगल, जांघों के पास, जिससे शरीर का तापमान कम हो। अगर बच्चा होश में है तो पानी, ओआरएस, नारियल पानी छोटे-छोटे घूंट में दें। बहुत ठंडा पानी या बर्फ सीधे न लगाएं। लगातार बच्चे की स्थिति पर नजर रखें और बच्चे को अकेला न छोड़ें। अगर स्थिति सामान्य न हों या लक्षण गंभीर हों तो तुरंत डॉक्टर के पास जाएं।

पाक की नियति बन चुकी है भुलावे में रहना

भारत के साथ पाकिस्तान के युद्ध का इतिहास कैसा रहा है? सामरिक रूप से ठीक, लेकिन रणनीतिक रूप से नुकसानदायक। यही वजह है कि वह पूरी ताकत से शुरुआत करने के बावजूद हर युद्ध हारता है। लेकिन 1971 और कारगिल युद्ध को छोड़कर उसने ज्यादातर युद्धों में जीत का दावा किया है। गत वर्ष की 87 घंटे की मुठभेड़ को ही देख लीजिए। मुनीर से लेकर पाकिस्तान की राजनीति के सबसे निचले स्तर तक पूरा पाकिस्तान मानता है कि इस बार जीत उसकी हुई; कि इसके बाद अमेरिका ने उसे फिर गले लगाया और इसे उसकी खुद की घोषित 'जीत' की मंजूरी माना गया। जबकि हकीकत यह है कि पहलगाम हत्याकांड के सिर्फ चार दिन पहले और ऑपरेशन सिंदूर के करीब दो हफ्ते पहले स्टीव विटकॉफ के बेटे जाक का दौरा और क्रिप्टो सौदा हो चुका था। मुनीर को मालूम था कि भारत पहलगाम का जवाब देगा। इसलिए उन्होंने ट्रम्प परिवार के लालच का फायदा उठाने की चाल पहले ही तैयार कर ली थी। दुनिया में अधिकतर लोगों से पहले इस बात को समझने के लिए आप मुनीर की तारीफ कर सकते हैं या हो सकता है कि सऊदी अरब ने उन्हें पहले ही सावधान कर दिया हो। लड़ाई शुरू होने से पहले ही उन्होंने ट्रम्प के 'सिस्टम' को अपने पक्ष में कर लिया था। एक हफ्ते पहले, 16 अप्रैल 2025 को विदेश में बसे पाकिस्तानियों को दिए उनके भाषण ने इसका संकेत दे दिया था। वह हत्याकांड भारत की जवाबी कार्रवाई देखने की उनकी योजना का हिस्सा था। ट्रम्प को अपने पक्ष में लाकर कश्मीर मुद्दे को उठाना उनका रणनीतिक लक्ष्य था। पहली चाल सफल रही, लेकिन दूसरी पूरी तरह नाकाम रही। पाकिस्तान ने यह जानते हुए भारत को उकसाया था कि भारत जवाब में सैन्य कार्रवाई करेगा, इसलिए उसने यह भी अंदाजा लगाया होगा कि किन जगहों को निशाना बनाया जाएगा। वे यह भी जानते थे कि भारत कौन से हथियार इस्तेमाल करेगा। इसलिए भारतीय वायुसेना ने 7 मई की रात 1 बजकर 7 मिनट पर जब उड़ान भरी, तब वे तैयार थे। अपने अंदरूनी इलाकों में निशानों पर हमलों को वे रोक नहीं पाए, लेकिन यह उनका मकसद भी नहीं था। वे जवाब को हवाई मुठभेड़ तक सीमित रखना चाहते थे। एईडब्ल्यू विमानों और जे-10सी, जेएफ-17 के साथ पीएल-15 मिसाइलों को आगे रखकर इस कार्रवाई का पहले से अभ्यास किया गया था। उन्हें कुछ सफलता मिली और वे इसका जश्न मना रहे थे। भारत में उच्च स्तर पर कुछ विमानों के नुकसान की बात मानी गई है। पूर्व सीडीएस ने इसे 'सामरिक गलती' बताया, लेकिन आईएएफ ने हिसाब बराबर करने की योजना बनाई। सबसे पहले पाकिस्तान के एयर डिफेंस को दबाव में लाने के लिए एंटी-रेडिएशन ड्रोनों से हमला किया गया। और आखिर में पीएएफ के सबसे सुरक्षित हवाई अड्डों पर लगातार हवाई हमले किए गए। पीएएफ का कोई भी विमान, या कितनी भी दूरी तक मार करने वाली मिसाइल क्यों न हो, जवाब देने के लिए उड़ान नहीं भर सकी। जब तक पाकिस्तान ने संघर्षविराम की मांग की, तब तक सिर्फ एक पक्ष के पास सबूत थे कि दूसरे पक्ष को कितना नुकसान हुआ है : व्यावसायिक उपग्रहों से मिली तस्वीरें बता रही थीं कि पीएएफ के कम-से-कम 13 हवाई अड्डे और तीन रडार नष्ट हो चुके थे। इसके बावजूद पाकिस्तान अपनी जीत का जश्न हमें नुकसान पहुंचाने के उनके दावों का कोई सबूत नहीं है। भारत के सभी हवाई अड्डों के पास शहर बसे हुए हैं, कुछ भी छिपा नहीं है, लेकिन कोई उपग्रह तस्वीर सामने नहीं आई है। पाकिस्तान के सभी दावे बेकार हैं। बहरहाल, यहां मैं हाल के इतिहास को दोहराने की कोशिश नहीं कर रहा हूं, बल्कि अपनी मुख्य बात पर जोर दे रहा हूं। वह यह है कि पाकिस्तानी फौजी दिमाग अच्छी तरह सोचता है, लेकिन सिर्फ सामरिक चालों के हिसाब से सोचता है। वह यह अंदाजा नहीं लगा पाता कि भारत किस तरह जवाब देगा। यह अंदरूनी कमजोरी, भारतीय सेना के प्रति अनादर या दोनों का मेल हो सकता है। यह विचार भी हमें पाकिस्तानी लेखक शुजा नवाज की किताब क्रॉस्ड सोर्ड्स से मिला है। कारगिल युद्ध की बात करते हुए उन्होंने लिखा है कि भारत के साथ 'वार गेम' खेल रही पाकिस्तानी टीम ने बिल्कुल सही अनुमान लगाया था कि वाजपेयी सरकार किस तरह जवाब देगी। अगर उसे गंभीरता से लिया जाता, तो पाकिस्तान हार, पीछे हटने और बेइज्जती से बच सकता था, लेकिन उसका मजाक उड़ाया गया। सामरिक दृष्टि से कारगिल युद्ध शानदार था। धोखा, योजना, गोपनीयता, इलाके का चुनाव और जगह का महत्व, हर लिहाज से शानदार। लेकिन किसी ने यह नहीं सोचा कि अगर ऐसा नहीं हुआ तोष्ठ, भारत ने अगर मुकाबला किया तो? इसके लिए रणनीतिक सोच चाहिए, जिसकी पाकिस्तान में कमी है। कारगिल इसलिए रणनीतिक हार साबित हुई, क्योंकि इसने नियंत्रण रेखा की वैश्विक मान्यता को मजबूत कर दिया। इस्लामाबाद हवाई अड्डे पर थोड़ी देर रुकते हुए बिल क्लिंटन ने पाकिस्तान को कैमरे पर कहा था कि इस उपमहाद्वीप के नक्शे पर खींची गई सीमाओं को अब खून से नहीं बदला जा सकता। यह कहानी पहले भी पुरानी लड़ाइयों में दोहराई जा चुकी है।

1965 में छंब पर कब्जा करने के लिए ऑपरेशन जिब्राल्टर और इसके बाद अखनूर पर कब्जा करने के लिए ऑपरेशन ग्रैंड स्लैम चलाया गया, ताकि कश्मीर को भारत से काट दिया जाए। पाकिस्तानी सेना ने यह सोच लिया कि भारत कश्मीर छोड़ देगा और भारत की संभावित जवाबी कार्रवाई पर ठीक से विचार नहीं किया गया। उसी युद्ध में खेमकरण में टैंकों से किया गया अप्रत्याशित हमला इस उपमहाद्वीप के सबसे साहसी हमलों में गिना जाता है। उस युद्ध की सबसे बड़ी लड़ाई पाकिस्तान की हार और उसके बेहतरीन टैंकों के नष्ट होने की थी। पाकिस्तान ने उस युद्ध में भी अपनी जीत का दावा किया था, लेकिन विडंबना यह है कि वह 6 सितंबर को 'डिफेंस ऑफ पाकिस्तान डे' के रूप में मनाता है! इतिहास का सबक है-ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान ने गलत सबक लिया है। ऐसे में हमें पाकिस्तान की अगली उकसाने वाली कार्रवाई का अंदाजा पहले ही लगाना होगा। इतिहास बताता है कि जब पाकिस्तानी सत्ता ऐसी स्थिति में पहुंचती है, तब वह सबसे खराब, और खुद को ही नुकसान पहुंचाने वाले रणनीतिक फैसले करती है। (ये लेखक के अपने विचार हैं, शेखर गुप्ता)

हम खाने को महज खाना नहीं समझते, जज्बात से जोड़ते हैं

ऐश्वर्या राय को कान फिल्म समारोह के रेड कार्पेट पर देख कर मुझे सुकून मिला। क्योंकि मेरी तरह, वो भी 'हेल्दी' हो गई हैं। भाई, बावन की उमर में आप पच्चीस के नहीं लग सकते हो, यह एक सच्चाई है। लेकिन बॉलीवुड इसे मानने को तैयार ही नहीं। रियलिटी शो जज करते हैं, मगर रियलिटी स्वीकार नहीं।जरा सोचिए, वो एक्ट्रेस जिनकी पिक्चर मैंने कॉलेज बंक करके देखी थी, तीस साल बाद वैसी की वैसी। उनकी डाइट क्या है- उबली हुई सब्जियां, सलाद का पत्ता, या सिर्फ हवा? मेरे मन में एक ही सवाल- जो इंसान स्वादिष्ट खाने से वंचित हो, क्या वो सचमुच खुश हो सकता है? वैसे अब फार्मा कंपनियों ने उपाय ढूंढ लिया है, ऐसा वो ढिंढोरा पीट रही हैं। दवाई बनी थी उनके लिए, जिन्हें डायबिटीज की शिकायत है। अब यूज कर रहे हैं वो जिन्हें 'डायमीटर' की शिकायत है। ओजेम्पिक खाओ, खुद जान जाओ। मगर हां, किसी को बताना नहीं। अरे, मैंने तो खूब एक्सरसाइज की। ब्रेकफास्ट में खाया चिया, लंच में घिया। आपकी विलपावर की तो दाद देनी पड़ेगी। दवाई के साइड इफेक्ट्स आप कितनी हिम्मत से सहते हैं। आंखें मूंद कर अपने मन के पर्दे पर कल्पना करते होंगे- चर्बी के नीचे क्या है, चर्बी के नीचेष्ठ मैं बताती हूं क्या है- हड्डियां। आज कई जानी-मानी हस्तियां मुरझाए हुए पेड़ की तरह दिखने लगी हैं। उनकी काया सूखी-सूखी, शक्ल रूखी-रूखी। गाल नहीं, अब सिर्फ गड्ढे रह गए हैं। वेट तो उन्होंने जरूर लूज किया है मगर साथ में अपनी रौनक भी। खैर, वो उनकी पर्सनल चॉइस है मगर चूंकि आम जनता स्टार्स की देखा-देखी करती है, मेरी आपको एक ही सलाह है- शॉर्टकट मत लीजिए। अगर आपको सचमुच मेडिकल तौर पर दवाइयों की जरूरत है, तभी शुरू कीजिए। यह नहीं कि शादी होने वाली है, जल्दी से दस किलो कम करने हैं, आसान तरीका अपना लेती हूं! कोई नहीं जानता कि ऐसी दवाइयां लंबे समय तक खाने का असर क्या हो सकता है। तो क्यों खामखा रिस्क लें? जानते हम सब हैं कि करना क्या है- पौष्टिक खाओ, जिम में जाओ। मगर मेरे खयाल से वजन बढ़ने की सबसे बड़ी वजह कुछ और भी है। आखिर ओवरईटिंग हम क्यों करते हैं? क्योंकि खाने से हम सिर्फ पेट की नहीं, मन की भी तृप्ति करते हैं।

मेलजोल और अपनापन भी एक तरह की देशसेवा है

राजनीतिक दल एक-एक करके हमारे देश के प्रदेशों पर खूब काम कर रहे हैं। सरकारें बदल गईं, नई-नई योजनाएं रूप ले रही हैं। हर प्रदेश प्रमुख का दावा है कि हमने श्रेष्ठ कर दिया, लेकिन अब प्रदेश के साथ-साथ समाज और परिवार पर भी काम करने का समय आ गया। हमारे भारत देश को आने वाले समय में जिस कठिनाई का सामना करना है, उसमें हमारी ताकत हमारा परिवार और समाज है। कोई 16-17 साल पहले यह दुनिया एक कठिन आर्थिक दौर से गुजरी थी। हमारे शीर्षस्थ राजनेताओं ने संकेत कर दिया है- बुरे दिन आने वाले हैं। ऐसे में परिवार और समाज की भूमिका हमें और दृढ़ करनी पड़ेगी। अगर हम समाज और परिवार में केवल एक खतरनाक बदलाव पर ध्यान दें और उसमें सुधार करें तो भी देशसेवा बहुत बड़ी हो जाएगी और वो है- अकेलापन। तो अपने घर के सदस्यों के साथ और अपने निवास स्थान में पड़ोसियों के साथ अत्यधिक मेलजोल, अपनापन बनाए रखिएगा। अगर हम इतना करते हैं तो ये भी एक देशसेवा होगी।पं. विजयशंकर मेहता

खेल की दुनिया में नस्लवादी टिप्पणियों की कोई जगह नहीं

कुछ दिनों पहले मैंने सोशल मीडिया पर अर्शदीप सिंह द्वारा तिलक वर्मा की चमड़ी के रंग का मजाक उड़ाने संबंधी एक पोस्ट को देखा। तिलक ने उस बात को सहज रूप से टाल दिया और सोशल मीडिया पर भी इसे सामान्य ढंग से ही लिया गया। लेकिन यही तो समस्या है। हम ऐसी बातों को सामान्य मान लेते हैं, क्योंकि हम इनको लेकर पर्याप्त संवेदनशील नहीं हैं। समस्या केवल अर्शदीप तक सीमित नहीं है। यह एक भारतीय समस्या है, और हम सबने इसे 'इसमें ऐसी कौन-सी बड़ी बात है' कहकर स्वीकार कर लिया है। धनराज पिल्लई का ही उदाहरण लीजिए। जब पिल्लई पहली बार परिदृश्य में उभरे थे, तो उन्होंने अपनी प्रतिभा से सबको चकित कर दिया था। उन्हें रोक पाना असम्भव लगता था। लेकिन हॉकी मैचों में उनकी त्वचा के रंग की ओर संकेत करने वाली एक टिप्पणी लगातार सुनाई देती थी। स्वयं पिल्लई ने मुझे यह घटना सुनाई थी तो उन्हें भी इसमें कुछ असामान्य नहीं लगा। बल्कि इसे नॉर्मल माना था। आखिर हम इसी तरह तो बोलते हैं, फिर इसमें इतनी बड़ी बात क्या है? यहां उन नाइजीरियाई फुटबॉल खिलाड़ियों के मुद्दे को भी जोड़ लें, जिन्होंने कोलकाता में खेलते हुए अपना करियर बनाया। उनमें से कुछ आज भी बेहद लोकप्रिय हैं। लेकिन इससे लोग उन पर रंगभेदी या नस्लवादी टिप्पणी करने से नहीं रुके। चीमा ओकरी इसका उदाहरण हैं। वे भारत में फुटबॉल में खेलने वाले सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से हैं, लेकिन उन्हें भी 'काला चीता' कहकर पुकारा जाता था। यह सब इतना स्वाभाविक बना दिया गया है कि हमें इन शब्दों के इस्तेमाल में कोई समस्या दिखाई ही नहीं देती। शायद अर्शदीप सिंह को नहीं पता कि सीमारेखा कहां खींची जानी चाहिए। उनके लिए यह सब मजाक और हल्की-फुल्की चुहलबाजी का विषय भर हो सकता है।यहां तक कि तिलक वर्मा भी शायद यह नहीं समझ पाए कि इस पर उनकी प्रतिक्रिया कैसी होनी चाहिए, इसलिए उन्होंने बात को वहीं पर छोड़ दिया। लेकिन हमें इस तरह के मामलों में अधिक शिक्षा और संवेदनशीलता की आवश्यकता है, और यह जितनी जल्दी हो, भारत के लिए उतना ही बेहतर होगा। आज भी यदि हम कोलकाता में सप्ताहांत का कोई मैच देखने जाएं- जिसमें कोई अफ्रीकी खिलाड़ी खेल रहा हो- तो लगभग निश्चित है कि कोई न कोई दर्शक उस पर नस्लवादी टिप्पणी करेगा। जहां यह उस खिलाड़ी की जिम्मेदारी है कि वह तुरंत इस बात को रेफरी के संज्ञान में लाए, वहीं वहां मौजूद हर व्यक्ति का भी यह फर्ज है कि वह ऐसे व्यक्ति को रोके और टोके। यह एक सामूहिक अभियान होना चाहिए, जिसे केवल अधिकारियों और प्रशासकों पर नहीं छोड़ा जा सकता। हमारे पास ऐसे लोगों की पूरी जमात है, जो त्वचा के रंग को अपमान करने का अपना विशेषाधिकार मानते हैं। सदियों से हमें इस वायरस की कोई वैक्सीन नहीं मिली है, लेकिन अब समय आ गया है कि हम इसे विकसित करें। यह भी अत्यंत आवश्यक है कि खिलाड़ी इस बुराई के विरुद्ध एकजुट हों, प्रतीकात्मकता से आगे बढ़ें और इस संकल्प को वास्तव में चरितार्थ करें कि नस्लीय अपमान को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दरअसल, जो लोग नस्लीय टिप्पणियों के शिकार हुए हैं लेकिन बोलने से बचते रहे हैं, वे भी इस बुराई को बढ़ावा देने के उतने ही दोषी हैं। उन्हें समझना चाहिए कि मानवीय गरिमा के सामने खेल की कोई कीमत नहीं है, और समाज के प्रति उनकी भी एक जिम्मेदारी है। आने वाले समय में बीसीसीआई और फ्रेंचाइजियों को संवेदनशीलता पर आधारित एक ओरिएंटेशन कोर्स शुरू करने पर विचार करना चाहिए। सोशल मीडिया के इस दौर में- जहां खिलाड़ी हर समय प्रशंसकों और अन्य लोगों की निगाहों में रहते हैं- उन्हें पहले की तुलना में कहीं अधिक सामाजिक और राजनीतिक रूप से सजग होने की आवश्यकता है। पहले यदि ऐसी बातें कही भी जाती थीं, तो वे सार्वजनिक नहीं होती थीं, क्योंकि हर चीज सोशल मीडिया पर नहीं आती थी। लेकिन अब तो एक्स और इंस्टाग्राम पर ही पूरा जीवन जिया जा रहा है। ऐसे में खिलाड़ियों का एक ओरिएंटेशन कोर्स उन्हें 'क्या करें' और 'क्या न करें' का अंतर स्पष्ट बता सकता है। बीसीसीआई और फ्रेंचाइजियों को संवेदनशीलता पर आधारित एक ओरिएंटेशन कोर्स शुरू करने पर विचार करना चाहिए। सोशल मीडिया के इस दौर में खिलाड़ियों को पहले की तुलना में कहीं अधिक सजग होने की आवश्यकता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं,बोरिया मजुमदार)

समस्या से बचें नहीं, सामना करें, कौन जाने आप ही समाधान खोज लें

दूसरों के बारे में तो मुझे नहीं पता, लेकिन मेरे परिवार को हाल ही में घरेलू मोर्चे पर एक समस्या झेलनी पड़ी। हमारे घर में काम करने वाले लोग गांव चले गए। यह हर साल का रिवाज है, किन्तु उनकी जगह काम करने वाला कोई आसानी से मिल जाता है। लेकिन इस बार कोई नहीं मिला। इसकी वजह राज्य चुनाव और शादी का सीजन बताया गया। तब मेरी पत्नी ने रोम्बा का सहारा लिया- झाड़ू-पोंछा करने वाला रोबोटिक वैक्यूम क्लीनर। उसके काम से प्रभावित होकर मैंने खोजा कि इसे किसने बनाया। ये 58 साल की हेलन ग्रेनर थीं। रोबोटिक्स में ग्रेनर की दिलचस्पी तब शुरू हुई, जब उन्होंने 10 साल की उम्र में 'स्टार वार्स' फिल्म देखी और उसके किरदार आर2-डी2 से बेहद प्रभावित हो गईं। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएट और कंप्यूटर साइंस में मास्टर्स हेलन ने मशहूर रोम्बा को को-क्रिएट किया। इसे 2002 में लॉन्च किया गया और यह पहला बेहद सफल कॉमर्शियल घरेलू रोबोट बन गया। आज रोम्बा हमारे कमरे में बैठा रहता है और काम पर लग जाने के लिए हमारे कमांड का इंतजार करता है। उसने पूरे घर का नक्शा याद कर लिया है- वो 'नो-गो जोन' भी, जहां उसे जाने की अनुमति नहीं है। सामान्य टू-बेडरूम हाउस में वह 45 मिनट से भी कम समय में बिना किसी निगरानी के सिर्फ वॉइस कमांड पर झाड़ू-पोंछा कर सकता है। महिलाओं से अपेक्षा की जाती रही है कि वे न सिर्फ परिवार के खाने और कपड़ों का काम संभालें, बल्कि घर को साफ रखने समेत कई अन्य कामों में शारीरिक मेहनत भी करें। ऐसे कई काम थे, जो रोज घंटों की मेहनत मांगते थे और घरेलू जीवन को नीरस बना देते थे। इसीलिए कई महिलाएं ऐसे आविष्कारों के लिए प्रेरित हुईं, जो उनका समय बचा सकें। सबसे ज्यादा कमर तोड़ने वाला काम है बर्तन धोना। हालांकि डिशवॉशिंग मशीनें पहले से मौजूद थीं, लेकिन 1883 में जोसेफिन कोक्रेन के पति की मौत हो गई और वे कर्ज में डूब गईं। पहले से मौजूद डिशवॉशिंग मशीनों में ब्रश और स्क्रबर का इस्तेमाल होता था, जिनसे ठीक सफाई नहीं होती और क्रॉकरी को नुकसान भी पहुंचता था। यह मशीन भी ठीक उनके सर्वेंट जैसा ही परिणाम देती थी। तब उन्होंने कहा कि 'अगर कोई और डिशवॉशिंग मशीन नहीं बनाएगा, तो मैं खुद बनाऊंगी।' उन्होंने ऐसी मशीन डिजाइन की, जिसमें धातु की रैक में रखे बर्तनों को धोने के लिए मोटर से चलने वाले पहिए और हॉट-वॉटर प्रेशर का उपयोग होता था। दिसंबर 1886 में उन्हें अपने आविष्कार के लिए पेटेंट मिला और यही खोज आधुनिक डिशवॉशर्स के मानक डिजाइन का आधार बनी। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि लगभग हर घर की रसोई का सबसे आम साथी रेफ्रिजरेटर भी महिलाओं की ही देन है। पहले ज्यादातर लोग आइस बॉक्स इस्तेमाल करते थे, जिसमें लगातार पिघला हुआ पानी ?निकालने की समस्या थी। महिलाओं को खाना खराब होने से बचाने के लिए पकाने और इसे स्टोर करने की योजना बनानी पड़ती थी। दरअसल, आप और हम जो इलेक्ट्रिक रेफ्रिजरेटर आज इस्तेमाल करते हैं, उसका पेटेंट 1914 में एक महिला स्टेनोग्राफर फ्लोरेंस परपार्ट ने कराया था। ऐसा करने वाली वे पहली महिला नहीं थीं। फ्रेड डब्ल्यू वुल्फ ने 1913 में इलेक्ट्रिक रेफ्रिजरेटर का पेटेंट कराया, जिसमें इलेक्ट्रिक रेफ्रिजरेटर आइस बॉक्स के ऊपर रखा जाता था। लेकिन फ्लोरेंस ने इसे पूरी तरह मैकेनाइज्ड कर फ्रंट ओपनिंग कैबिनेट लगाया, जिससे उनके लिए खाना रखना और निकालना काफी आसान हो गया।दिलचस्प यह है कि जब महिलाओं को पेटेंट नहीं दिए जाते थे तो पेंसिल्वेनिया के थॉमस मास्टर्स ने कॉर्न प्रोसेसिंग मशीन का पेटेंट कराया, जबकि यह आविष्कार उनकी पत्नी सिबिला मास्टर्स ने किया था। 1715 तक हाथ से मक्का पीस कर आटा बनाना समय लेने वाला और कठिन कार्य था। इसीलिए सिबिला ऐसी मशीन बनाने के लिए प्रेरित हुईं। ऐसी सैकड़ों चीजें हैं, जिन्हें मैकेनाइज करने में महिलाओं ने योगदान दिया। चाहे वह मार्गरेट ई. नाइट की फ्लैट बॉटम पेपर बैग मशीन हो, सारा बून का बेहतर आयरन बोर्ड हो या मैरियन ओ ब्रायन डोनोवान का वॉटरप्रूफ डायपर कवर। फंडा यह है कि समस्या का सामने से मुकाबला करें, कौन जाने अगले आविष्कारक आप ही हों। एन. रघुरामन

छोटी-सी उपलब्धि पर बच्चे 'डेंडेलियन का ताज' क्यों पहन लेते हैं?

बहुत पहले मैं किसी काम से मुंबई के शिवाजी पार्क गया, जहां से सचिन तेंदुलकर जैसे खिलाड़ी निकले हैं। इसी वजह से क्रिकेट कोचिंग के लिए यहां आने वाले हर बच्चे की मां अपने बच्चे में 'सचिन' देखने लगी। जब तक बेटा प्रैक्टिस पूरी न कर ले, वे घंटों तक साइडवॉल पर बैठी रहतीं। वहां मैंने एक मां को अपने बेटे की तरफ चिल्लाते हुए सुना, 'गो...रन... यू कैन।' जैसे ही बच्चे ने बॉलिंग एंड पर पहुंच कर शिवाजी पार्क में पहला रन पूरा किया, जिसे मां वीडियो रिकॉर्ड कर रही थीं, उसने शाबासी के लिए मां की ओर देखा। मां के प्रतिक्रिया देते ही लड़का अपनी जगह छोड़कर मां की ओर ऐसे भागा, जैसे कोई बड़ी उपलब्धि पा ली हो और पानी पिलाने के लिए कहा। आपको अन्य पैरेंट्स की आंखें देखनी चाहिए थीं, जो मां पर टिक गईं। जबकि मां की आंखें लगातार बेटे को ऐसा न करने की चेतावनी दे रही थीं। कोच जानता था कि एक बच्चे ने भी उसके निर्देशों की अनदेखी की तो जल्द ही पूरे मैदान में अव्यवस्था फैल जाएगी। वह मां उस वक्त पैरेंटिंग की दो प्रतिस्पर्धी भावनाओं में फंसी थी। एक तरफ वह एक दिन बेटे को 10 नंबर की टीशर्ट में देखना चाहती थीं, और ऐसा सपना देखने का हक सबको है। दूसरी तरफ, एक मां के रूप में वह परखना चाहती थीं कि क्या उनका बेटा तेज गर्मी में खड़े रह कर यह कठिन खेल सीख सकता है? बाद में कोच ने मुझे बताया कि वह बच्चा आखिरकार क्रिकेट कोचिंग से बाहर हो गया और इंडोर स्टेडियम में टेनिस खेलने लग गया। तब मैंने उस मां की कल्पना की, जो अब बच्चे के रोजर फेडरर बनने का सपना देख रही होगी- कई खिताब जीत चुका एक शांत, लेकिन शानदार खिलाड़ी। मुझे यह घटना तब याद आई जब सोमवार को मैं एक प्रमुख यूनिवर्सिटी में अर्पित, दुर्गेश, अमन, निलेश, जयदीप और विशाल के अलावा 10 अन्य स्टूडेंट्स से मिला। इन छहों में एक बात समान थी- वे किसान परिवारों से थे और शायद अपने परिवारों के पहले ग्रेजुएट थे। उन 16 स्टूडेंट्स के जीवन को दिशा देने के लिए उन्हें मेरे समक्ष लाया गया, क्योंकि वे बिना यह समझे इधर-उधर भटक रहे थे कि ग्रेजुएशन खत्म होने तक आखिर उन्हें हासिल क्या करना है। जैसे ही मैं उनके कमरे में घुसा, मुझे लगा कि ये लड़के 'डेंडेलियन का ताज' पहने हुए हैं। अंग्रेजी के इस मुहावरे में 'डेंडेलियन का ताज' का अर्थ दो मुख्य विषयों में बांटा जा सकता है। पहला- डेंडेलियन बहुत मजबूत और किसी भी जगह सबसे पहले उगने वाले पौधे हैं। यहां तक कि ये कंक्रीट तोड़ कर भी उग जाते हैं। आयुर्वेद में इसे दुग्धफेनी या सिंहपर्णी कहते हैं। और दूसरा, जिन ठंडे, पहाड़ी इलाकों में यह सर्वाधिक पाया जाता है, वहां गरीब बच्चों को इसके फूलों का ताज पहनकर राजा-रानी का खेल खेलते देखा जा सकता है। इस प्रकार वे जीवन के संघर्ष, आनंद और भावनात्मक सुकून का उत्सव मनाते हैं। यह बचपन में वसंत के बेफिक्र दिनों की याद दिलाता है। इसे पहनना मानो खेल, सुकून और अपने प्राकृतिक रूप से दोबारा जुड़ने का निमंत्रण होता है। उन 16 स्टूडेंट्स के लिए इतनी बड़ी यूनिवर्सिटी में पहुंचना ही एक उपलब्धि थी, जैसे शिवाजी पार्क में एक रन बनाने पर उस बच्चे को लगा कि अब वह एक गिलास पानी का हकदार है और गंभीर खेल बीच में छोड़कर मां की तरफ भाग गया।

धोनी 3 करोड़ की कार से मसूरी पहुंचे,बेटी का समर कैंप में एडमिशन कराया, सबसे मुलाकात भी का

मसूरी। महेंद्र सिंह धोनी 3 करोड़ की लैंड रोवर डिफेंडर के साथ मसूरी में घूमते दिखे। जैसे ही फैंस को इसका पता चला तो वे भी स्टार क्रिकेटर से मिलने पहुंच गए। जानकारी के मुताबिक, धोनी अपनी बेटी जीवा सिंह धोनी का समर कैंप के लिए एक बोर्डिंग स्कूल में एडमिशन कराने आए थे। धोनी शनिवार को देहरादून से मसूरी के लिए रवाना हुए। देर शाम लालटिब्बा क्षेत्र स्थित एक होटल पहुंचे। यहां फैंस ने धोनी को घेर लिया। मोबाइल से उनकी तस्वीरें खींचने लगे। वीडियो बनाने लगे। कुछ लोगों को लगा कि रोहित शर्मा आए हुए हैं। वे जोर-जोर से 'रोहित शर्मा, रोहित शर्माष्ठ' चिल्लाने लगे। यह सुनकर धोनी हंस पड़े। समर कैंप जाते समय उन्होंने फैंस से हाथ भी मिलाया। इसके बाद वहां मौजूद एक बच्चे ने जब धोनी-धोनी कहा तो उन्होंने पीछे मुड़कर देखा और मुस्कुराने लगे। इससे पहले धोनी 11 मार्च 2025 को मसूरी घूमने आए थे। धोनी 15 नवंबर 2023 को पत्नी साक्षी और बेटी जीवा के साथ अल्मोड़ा की जैंती तहसील स्थित अपने पैतृक गांव ल्वाली गए थे। धोनी साल 2003 में अपने जनेऊ संस्कार के समय आखिरी बार गांव आए थे। धोनी के गांव पहुंचते ही ग्रामीण काफी खुश हुए थे। क्रिकेटर ने उनके साथ फोटो खिंचवाई। तब धोनी अपने दोस्तों के साथ गांव पहुंचे थे। उनकी एक झलक पाने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी।

जैसलमेर-जयपुर में रेतीले तूफान का अलर्ट, यूपी समेत 7 राज्यों में गर्मी कम हुई

जयपुर। वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, बिहार और ओडिशा में पिछले 15 दिन से चल रही भीषण गर्मी से राहत मिली है। आंधी, बारिश और ओले गिरने से इन राज्यों में पारा 40डिग्री से नीचे पहुंच गया है। आज भी हिमाचल, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, राजस्थान समेत 8 राज्यों में आंधी-बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में केदारनाथ यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्थानों पर रोक दिया गया है। हालांकि, शनिवार को देश के 36 शहरों में पारा 40डिग्री से ज्यादा रहा। महाराष्ट्र के विदर्भ में तापमान अभी भी 44डिग्री से ज्यादा है। यहां का चंद्रपुर (चांदा) 44.8डिग्री तापमान के साथ देश में सबसे गर्म रहा। शनिवार को राजस्थान के 5 जिलों श्रीगंगानगर, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़ और सीकर में शनिवार दोपहर 3 बजे रेतीला तूफान आया। इसका असर करीब 200 वर्ग किलोमीटर के इलाके में रहा। इस रेतीले तूफान की शुरुआत हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर से हुई थी। बवंडर को पाकिस्तान की ओर से उठी तेज धूलभरी हवाओं ने रफ्तार दी थी। इस दौरान 56किमी/घंटा की रफ्तार से आंधी चली।रेतीले तूफान के कारण दिन में अंधेरा छा गया। हवा के साथ आई रेत घरों में भर गई। आईएमडी ने आज भी जैसलमेर और जयपुर में रेतीले तूफान का अलर्ट जारी किया है। मानसून 4 जून तक केरलम पहुंचेगा- मौसम विभाग ने बताया कि मानसून 4 जून तक केरलम पहुंच सकता है। हालांकि विभाग ने इस साल मानसून के सामान्य से कमजोर रहने का अनुमान भी जताया है। आईएमडी के मुताबिक जून से सितंबर तक देश में औसतन सामान्य से कम बारिश हो सकती है। इस बार मानसून सीजन में 78 सेंटीमीटर बारिश होने का अनुमान है। देश में सामान्य मानसूनी बारिश का औसत 87 सेंटीमीटर माना जाता है।मौसम विभाग ने कहा कि बिहार, यूपी में सामान्य बारिश हो सकती है, लेकिन बाकी कई हिस्सों में सामान्य से कम बारिश होने की आशंका है। खासकर बारिश पर निर्भर खेती वाले इलाकों में मानसून कमजोर रह सकता है। अगले दिन के मौसम का हाल- 1 जून:-बिहार में 80 से 90 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चल सकती है। बारिश-ओलावृष्टि का अलर्ट है। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश और झारखंड में भी तेज आंधी और बारिश हो सकती है। तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में बारिश होगी। कुछ इलाकों में तेज बारिश का भी अनुमान है। पूर्वोत्तर राज्यों असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भी बारिश और तेज हवाओं का अलर्ट जारी किया गया है। 2 जून:-पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, झारखंड और राजस्थान के कुछ हिस्सों में 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाओं चल सकती हैं। महाराष्ट्र और कर्नाटक के कुछ इलाकों में भी तेज हवा चलने और बिजली गिरने की संभावना है। तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और कर्नाटक में कई जगहों पर बारिश का अनुमान जताया गया है। कुछ इलाकों में भारी बारिश भी हो सकती है। पूर्वोत्तर राज्यों असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भी बारिश और आंधी-तूफान का दौर जारी रहने की संभावना है।

यूपी में आंधी-बारिश का अलर्ट,गोंडा-बलरामपुर में तेज बरसात, 2 जून से बदलेगा मौसम

लखनऊ। यूपी में नौतपा के समय मौसम बदला हुआ है।

रविवार को गोंडा और बलरामपुर में तेज हवा के साथ बारिश हुई। करीब आधे घंटे की झमाझम बारिश से मौसम ठंडा हो गया। इससे पहले, सुबह से पूरे प्रदेश में बादल छाए हैं। बीच-बीच में धूप निकल रही है। हवा में नमी की वजह से गर्मी से राहत है। आज प्रदेश के सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट है। 57 जिलों में आंधी-तूफान आ सकता है। हवा की रफ्तार 60 किमी./घंटे तक पहुंच सकती है। 3 दिन से जारी आंधी-बारिश के सिलसिले के बीच पूरे प्रदेश का पारा 10डिग्री तक लुढ़ककर 38डिग्री तक पहुंच गया है। पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक तापमान मुरादाबाद में 38.5डिग्री रिकॉर्ड किया गया। 2 दिन पहले यानी 28 मई को बांदा का तापमान 47.5डिग्री तक पहुंच गया था। मौसम विभाग का कहना है कि कल यानी 1 जून को भी पूरे प्रदेश में हल्की बारिश के आसार हैं। ठंडी हवाएं चलेंगी। बादल छाए रहेंगे। गर्मी से राहत बरकरार रहेगी। 2 जून से मौसम फिर बदलेगा। गर्मी अपने तेवर दिखाएगी। पारे में 4डिग्री से 5डिग्री तक का उछाल आएगा। हालांकि, लू चलने के आसार नहीं हैं।

जनरल सुब्रमणि ने देश के नए सीडीएस का पदभार संभाला,पाकिस्तान-चीन मामलों के एक्सपर्ट हैं

नयी दिल्ली। देश के नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने रविवार को पदभार संभाल लिया। दिल्ली में उन्हें साउथ ब्लॉक लॉन्स में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। वे देश के तीसरे सीडीएस है। उन्होंने जनरल अनिल चौहान की जगह ली है। जनरल चौहान शनिवार को रिटायर हुए थे।पदभार संभालने के बाद उन्होंने कहा कि भारतीय सेना, नौसेना, वायुसेना, रक्षा मंत्रालय और सभी संबंधित संस्थान देश की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एकजुट हैं। उन्होंने कहा- 'भारतीय सेना में स्वदेशी हथियारों और सैन्य उपकरणों के अपडेशन, उनकी खरीद और इस्तेमाल को तेज किया जाएगा। सेना की ताकत बढ़ाने के लिए नई सोच और नए तरीकों को अपनाया जाएगा।' नए सीडीएस सुब्रमणि के सामने पहला टास्क सेना में थिएटर कमांड मॉडल को लागू करने को होगा। दरअसल एक दिन पहले सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने थिएटर कमांड व्यवस्था पर बोलते हुए कहा था कि यह प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। इससे जुड़ी पूरी रिपोर्ट रक्षा मंत्री को सौंप दी गई है। इसका अलग-अलग लेवल पर रिव्यू भी चल रहा है। जनरल द्विवेदी ने उम्मीद जताई कि अगले 2 से 3 साल में यह व्यवस्था जमीनी स्तर पर लागू होती दिखाई दे सकती है, इसके लिए तीनों सेनाओं के प्रमुख हितों का ध्यान रखा जाए। अभी भारत में तीनों सेनाओं के अलग-अलग कुल 17 कमांड हैं। किसी सैन्य अभियान के दौरान तीनों सेनाएं मिलकर काम तो करती हैं, लेकिन उनकी कमान अलग-अलग रहती है। थिएटर कमांड व्यवस्था में किसी क्षेत्र या मिशन के लिए एक ही कमांडर होगा। इसके सेना की तीनों यूनिट्स एक साथ काम करेंगी। गढ़वाल राइफल्स से सेना में कमीशन लिया था सुब्रमणि ने-पढ़ाई और ट्रेनिंग एनएस राजा सुब्रमणि ने दिसंबर 1985 में गढ़वाल राइफल्स से सेना में कमीशन लिया था।उन्होंने नेशनल डिफेंस अकादमी (एनडीए) से सैन्य प्रशिक्षण हासिल किया। इसके बाद वे ब्रिटेन के ब्रैकनेल स्थित जॉइंट सर्विसेज कमांड एंड स्टाफ कॉलेज भी गए। भारत लौटने के बाद उन्हें माउंटेन ब्रिगेड में ब्रिगेड मेजर की जिम्मेदारी दी गई। बाद में उन्होंने दिल्ली के नेशनल डिफेंस कॉलेज से पढ़ाई की।लंदन के किंग्स कॉलेज से मास्टर ऑफ आर्ट्स और मद्रास यूनिवर्सिटी से डिफेंस स्टडीज में एमफिल की डिग्री भी है। 40 साल का करियर-सुब्रमणि ने करीब 40 सालों तक सेना में सर्विस दी है। 2025 में वे राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में सैन्य सलाहकार थे। जुलाई 2024 से जुलाई 2025 के बीच सेना उप-प्रमुख के रूप में कार्य किया था। जम्मू-कश्मीर के सांबा में 168 इन्फैंट्री ब्रिगेड की कमान संभाली। वेलिंगटन के डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज में चीफ इंस्ट्रक्टर रहे। सुब्रमणि को परम विशिष्ट सेवा मेडल, अति विशिष्ट सेवा मेडल, सेना मेडल और विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किया जा चुका है। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) देश की तीनों सेना यानी आर्मी, नेवी और एयरफोर्स के बीच तालमेल बनाने वाला सबसे सीनियर मिलिट्री ऑफिसर होता है। यह फोर-स्टार रैंक का पद है। सीडीएस, चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी (सीओएससी) का स्थायी चेयरमैन और रक्षा मंत्रालय के डिपार्टमेंट ऑफ मिलिट्री अफेयर्स (डीएमए) का प्रमुख भी होता है। इस पद का मकसद तीनों सेनाओं के बीच बेहतर समन्वय बनाना, संयुक्त सैन्य संयुक्त ऑपरेशन, साइबर और स्पेस से जुड़े समन्वय पर भी काम करता है। न्यूक्लियर कमांड अथॉरिटी में भी सीडीएस की अहम भूमिका होती है। पहले सीडीएस बिपिन रावत जनवरी 2020 में बने थे। उसके बाद अनिल चौहान ने 2022 में यह जिम्मेदारी संभाली थी। सीडीएस तीनों सेनाओं का ऑपरेशनल प्रमुख नहीं होता। आर्मी, नेवी और एयरफोर्स की कमान उनके अपने-अपने प्रमुखों के पास ही रहती है। सीडीएस सीधे सैन्य आदेश जारी नहीं करता, बल्कि तीनों सेनाओं और सरकार के बीच समन्वय की भूमिका निभाता है। आर्मी, नेवी या एयरफोर्स को सैन्य कमांड देने का काम कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की सलाह पर उनके प्रमुख ही करते हैं। वाइस एडमिरल वृष्णा स्वामीनाथन रविवार को भारतीय नौसेना के नए प्रमुख बने। उन्होंने एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी की जगह ली। इससे पहले कृष्णा स्वामीनाथन पश्चिमी नौसेना कमान के प्रमुख थे। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना आधुनिकीकरण और क्षमता विस्तार की दिशा में लगातार आगे बढ़ रही है। देश के हितों की रक्षा के लिए नौसेना पूरी तरह सतर्क है और क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए सक्रिय रूप से तैनात है।

पहले ईरान को तबाह किया, अब ट्रम्प रु29 लाख करोड़ देकर फिर खड़ा करेंगे,क्या हुआ की अमेरिका को ऐसी डील करनी पड़ रही

तेहरान। अमेरिका-ईरान के समझौते की शर्तें क्या हैं, इसमें ईरान कैसे फायदे में और आखिर ट्रम्प को ऐसी डील क्यों करनी पड़ रही? सवाल-1: अमेरिका और ईरान के बीच किन शर्तों पर डील हो रही है? जवाबः अमेरिकी मीडिया आउटलेट एक्सिऑस ने 28 मई को रिपोर्ट किया कि अमेरिका और ईरान 60 दिन के लिए सीजफायर बढ़ाने को तैयार हैं। दोनों देशों के बीच एक समझौता ज्ञापन पर सहमति बनी। इस पर प्रेसिडेंट ट्रम्प की फाइनल मंजूरी बाकी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस मसौदे में 5 प्रमुख शर्तें हैं- 1. होर्मुज स्ट्रेट खुलेगाः होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों के निकलने पर कोई रोक नहीं होगी। ईरान किसी जहाज से कोई टोल या ट्रांजिट फीस नहीं वसूलेगा। ईरान को 30 दिनों के अंदर होर्मुज स्ट्रेट से सभी बारूदी सुरंगें हटानी होंगी। अमेरिका भी होर्मुज के बाहर ओमान की खाड़ी से अपनी नाकाबंदी हटाएगा।2. ईरान परमाणु हथियार नहीं बनाएगाः सीजफायर के दौरान ईरान के पास मौजूद एनरिच्ड यूरेनियम के निपटारे पर ही बात की जाएगी। अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, एक ईरानी ऑफिसर ने बताया कि ईरान अपने न्यूक्लियर प्रोग्राम को रोक देगा। बदले में अमेरिका ये वादा करेगा कि जब तक दोनों देशों में समझौते पर आखिरी बातचीत न हो जाए, तब तक ईरान पर प्रतिबंध नहीं बढ़ाए जाएंगे। 3. ईरान के जब्त पैसे मिलेंगेः विदेशी बैंकों में ईरान के करीब 24 अरब डॉलर फ्रीज हैं। अब समझौते के तहत उसके ये पुराने फंड रिलीज किए जा सकते हैं। अमेरिकी ऑफिसर ने कहा कि अब ईरान के पास अपनी इकॉनमी को बंधन से आजाद करने का मौका है। ईरानी न्यूज एजेंसी तसनीम के मुताबिक, ईरान के 24 अरब डॉलर में से 12 अरब डॉलर देने पर बातचीत आगे बढ़ी है। 4. इजराइल हिजबुल्लाह पर हमले रोकेगाः ईरानी अधिकारियों और एक राजनयिक के अनुसार लेबनान में लड़ाई रोकना भी समझौते में शामिल है। ट्रम्प प्रशासन को उम्मीद है कि ईरान हिजबुल्लाह और हूती जैसे मिलिटेंट ऑर्गेनाइजेशन की मदद पर बात करेगा।5. 29 लाख करोड़ लगाकर ईरान का रीकन्स्ट्रक्शनः न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, समझौते में सबसे हैरान करने वाला संशोधन ईरान के लिए एक इन्वेस्टमेंट फंड का जिक्र है। ये फंड 300 अरब डॉलर यानी करीब 28.5 लाख करोड़ रुपए का है। एक ईरानी अधिकारी ने इसे ईरान में रीकंस्ट्रक्शन प्रोग्राम बताया। सवाल-2: अगर डील हुई, तो कौन ज्यादा फायदे में होगा? जवाबः मौजूदा समझौते में जितनी शर्तें सामने आई हैं, उनसे ईरान को ज्यादा फायदा है-ईरान का कहना है कि जब तक उसके 24 अरब डॉलर के एसेट्स रिलीज नहीं होते, तब तक समझौते के लिए बातचीत नहीं हो सकती। ये ईरान के लिए जंग के एक्स्ट्रा फायदे जैसा है। जंग में अमेरिका ने ईरान को जो नुकसान पहुंचाया, उसकी भरपाई ईरान को खुद नहीं करनी होगी। इसके लिए अमेरिका से जो इन्वेस्टमेंट फंड मिल रहा है, उसे ईरानी ऑफिसर्स ने ईरान का 'रिकंस्ट्रक्शन प्रोग्राम' कहा है। जंग के टारगेट्स में अमेरिका ने ईरान के मिसाइल प्रोग्राम और नेवी को खत्म करने की बात कही थी। समझौते में इसका कोई जिक्र नहीं है। अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि ईरान के मिसाइल भंडार का 70फीसदी हिस्सा अभी भी बचा हुआ है। ईरान अभी भी अपनी मिसाइलों से इजराइल और खाड़ी देशों को धमका सकता है। ट्रम्प सिर्फ एक बात को भुना सकते हैं कि अब ईरान परमाणु बम नहीं बना सकेगा। लेकिन उसमें भी झोल है-समझौते में परमाणु हथियार न बनाने की बात कही गई है। ये बात ईरानी नेता पहले से ही कहते आए हैं, क्योंकि ईरान ने 1970 की परमाणु अप्रसार संधि में शामिल है। शुरुआत में ट्रम्प ने कहा था कि ईरान को अपना यूरेनियम अमेरिका को देना होगा। जबकि ईरान अपने यहां ही एनरिच्ड यूरेनियम का एक हिस्सा कम करना चाहता है और बाकी यूरेनियम किसी तीसरे देश में भेजना चाहता है। अब ट्रम्प भी इस पर राजी होते दिख रहे हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर नरम रुख दिखाते हुए कहा कि अमेरिका और इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी की निगरानी में एनरिचमेंट कम करना और पहले से एनरिच्ड यूरेनियम को किसी तीसरे देश में भेजना स्वीकार्य होगा। एक्सपर्ट्स का कहना है कि इसका मतलब ईरान को यूरेनियम को एनरिचमेंट कम करने और एनरिच्ड यूरेनियम ईरान में ही रखने की अनुमति देने जैसा है। उन्हें घरेलू आलोचना का सामना करना पड़ सकता है। क्योंकि जब बराक ओबामा ने 4 अमेरिकियों की रिहाई के बदले ईरान को 1।7 अरब डॉलर की रकम दी थी। तब ट्रम्प ने इसकी तीखी आलोचना की थी। पॉलिटिकल रिस्क कंसल्टेंसी फर्म यूरेशिया ग्रुप के सीनियर ईरान एनालिस्ट ग्रेगरी ब्रू कहते हैं, 'ये कुल मिलाकर ईरान की जीत है। उसने एक महीने से ज्यादा समय तक बमबारी झेली। होर्मुज को बंद रखा और अमेरिका के साथ अपनी शर्तों पर समझौता करके ही इसे दोबारा खोलने पर राजी हुआ। ट्रम्प ने जंग के पीछे जो टारगेट बताए थे, उनमें से कुछ भी हासिल नहीं हुआ। न ईरान में शासन बदला, न वेनेजुएला जैसी सफलता मिली, न होर्मुज खुलवा सके और न कोई बड़ा परमाणु समझौता कर पाए।' सवाल-3: आखिर अमेरिका को ऐसी डील क्यों करनी पड़ रही है? जवाबः ईरान से घाटे की डील करने के पीछे ट्रम्प और अमेरिका की 3 बड़ी मजबूरियां हैं- 1. ईरान जंग में फायदे की बजाय नुकसान हुआ- जेनयू , दिल्ली में फॉरेन अफेयर्स के प्रोफेसर राजन कुमार कहते हैं कि 28 फरवरी को शुरू हुई जंग को करीब तीन महीने हो गए हैं। अमेरिका अपने किसी मकसद में कामयाब नहीं हो सका। जबकि ईरान अभी भी लगभग उन्हीं शर्तों पर अड़ा है, जो उसने जंग की शुरुआत में रखी थीं। अमेरिका अब तक जंग पर करीब 2.43 लाख करोड़ रुपए खर्च कर चुका है। होर्मुज बंद होने के चलते अमेरिका में पेट्रोल की कीमत करीब डेढ़ डॉलर प्रति गैलन बढ़ गई है। कच्चे तेल के दाम भी 67 डॉलर से 100 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गए, जिससे अमेरिकी इकोनॉमी पर दबाव बढ़ा है। ट्रम्प ने ईरान पर होर्मुज खोलने का दबाव बनाने के लिए उसके बंदरगाहों के बाहर नाकेबंदी की, लेकिन ईरान ने होर्मुज पर कंट्रोल कम नहीं किया। उल्टा जंग रुकने के बाद उसने अपनी पकड़ और मजबूत की है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, अमेरिकी खुफिया एजेंसीज की एनालिसिस से पता चला है कि ईरान ने होर्मुज के किनारे अपने 30 मिसाइल ठिकानों को दोबारा एक्टिव कर लिया है। ये अमेरिकी युद्धपोतों और तेल टैंकरों को निशाना बना सकते हैं। 2. ट्रम्प की ईरान पर जीत दिखाने की जल्दी-ट्रम्प ने बिना संसद की अनुमति के ईरान को घेरने के लिए सेना भेजी थी। अमेरिका में कानून है कि अगर संसद की मंजूरी के बिना 60 दिन से ज्यादा समय तक सेना जंग के लिए कहीं तैनात नहीं रह सकती। 30 अप्रैल को ये मियाद पूरी हो गई है। हालांकि ट्रम्प ने संसद को भरोसे में लेने के लिए कह दिया था कि अब ईरान से दुश्मनी खत्म हो गई है। हालांकि सेना अभी भी तैनात है। विपक्षी सांसद लगातार इसका विरोध कर रहे हैं। राजन कुमार कहते हैं कि ऐसे में ट्रम्प ईरान से कोई समझौता करके इसे अपनी जीत की तरह दिखाना चाहते हैं और इस जंग से बाहर निकलना चाहते हैं। 3. मिड-टर्म चुनाव गंवाना नहीं चाहते ट्रम्प-नवंबर 2026 में अमेरिका में मिड-टर्म इलेक्शन हैं। ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी अभी बहुमत में है, लेकिन ट्रम्प और उनके प्रशासन का विरोध हो रहा है। ट्रम्प अमेरिकियों को किसी भी जंग से दूर रखने का वादा करके दूसरी बार सत्ता में आए थे। अमेरिका की क्विनिपिएक यूनिवर्सिटी के हालिया सर्वे के मुताबिक, 60फीसदी लोग ईरान के खिलाफ जंग के ट्रम्प के फैसले से नाखुश हैं। वाशिंगटन पोस्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, रिपब्लिकन नेता पहले ही इस चुनाव को मुश्किल मान रहे थे। फिर ईरान जंग के चलते फ्यूल की कीमतें बढ़ीं और जनता में आर्थिक चिंता का माहौल बन गया। इसे रोकना रिपब्लिकन नेताओं के लिए असंभव हो गया है। इसलिए ट्रम्प चुनाव से पहले ईरान जंग के मुद्दे को ठंडा करना चाहते हैं। ईरानी मामलों के एक्सपर्ट यासिर अली मिर्जा के मुताबिक, 'अगर अमेरिका युद्ध जीतता, तो शायद ट्रम्प को मिड-टर्म इलेक्शंस में इसका कुछ फायदा मिलता, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अब ट्रम्प चुनाव प्रचार के दौरान जिक्र ईरान करने से बचेंगे। संभव है कि उन्हें हार का सामना भी करना पड़े।' सवाल-4: अमेरिका-ईरान की इस डील में अभी क्या बड़ी अड़चने हैं? जवाबः दोनों देशों ने मसौदा भले तैयार कर लिया है, लेकिन दस्तखत होने से पहले कई अड़चने हैं। सबसे बड़ी अड़चन एनरिच्ड यूरेनियम को लेकर है। ईरान के पास 440 किलो एनरिच्ड यूरेनियम और 10 टन कच्चा यूरेनियम है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघई के मुताबिक, 'मौजूदा बातचीत युद्ध खत्म करने तक सीमित है, इसमें यूरेनियम का मुद्दा शामिल नहीं है। ट्रम्प ईरान के इसे किसी तीसरे देश में ले जाने पर सहमत हैं, लेकिन इसे रूस या चीन भेजने पर राजी नहीं हैं। जबकि 2015 में परमाणु समझौते के बाद ईरान ने अपने यूरेनियम का 97फीसदी रूस ही भेजा था। ईरानी मामलों के एक्सपर्ट अली वायज के मुताबिक, '10 साल पहले अमेरिका को ईरान से न्यूक्लियर डील करने में ढाई साल लग गए थे। आज के हालात कहीं ज्यादा पेचीदा हैं। अगले 60 दिनों में कोई हल निकलना मुश्किल है। होर्मुज पर भी बात बिगड़ सकती है। ईरान चाहता है कि पहले अमेरिकी नाकेबंदी हटे, फिर होर्मुज पर बात हो। वह बाद में भी ओमान के साथ मिलकर होर्मुज में टोल वसूलना चाहता है, जो ट्रम्प को मंजूर नहीं है। ईरान के भीतर कई कट्टरपंथी संगठन भी डील का विरोध कर रहे हैं। ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 29 मई को तेहरान में बड़ी रौलियां निकलीं, जिनमें अमेरिका के खिलाफ नारेबाजी हुई। ईरान किसी भविष्य में संभावित आंतरिक संघर्ष से बचना चाहता है, इसीलिए वह किसी समझौते तक पहुंचने में समय ले रहा है। सवाल-5: अगर ये डील हो गई, तो सबकुछ पहले जैसा सामान्य होने में कितना वक्त लगेगा? जवाबः ईरान की बिछाई बारूदी सुरंगें हटाने में कई हफ्ते लग सकते हैं। अमेरिकी नाकाबंदी भी ईरान से बातचीत के आधार पर धीरे-धीरे कम होगी। प्रोफेसर राजन कुमार के मुताबिक, 'मौजूदा हालात में सीजफायर संभव है। युद्ध रुकने के बाद तेल के दाम पहले जैसे होने में 6-9 महीने लग सकते हैं, क्योंकि बड़ी तेल कंपनियां अक्सर पहले से तय कॉन्ट्रैक्ट पर तेल खरीदती-बेचती हैं। कई बार 3-6 महीने पहले ही यह तय हो चुका होता है कि कितना तेल खरीदना है और किस कीमत पर खरीदना है।' दिल्ली बेस्ड थिंक टैंक ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के एक्सपर्ट विवेक मिश्र बताते हैं, 'होर्मुज में 18-20 हजार जहाज फंसे हुए हैं। इन्हें निकालने में 3 हफ्ते लग सकते हैं। इसके बाद अगले डेढ़ महीने में दोनों तरफ से जहाजों की आवाजाही सामान्य रूप से शुरू हो पाएगी।' विवेक मिश्र कहते हैं, 'यूएई पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन ओपीईसी से बाहर हो गया है। ओपीईसी के सदस्य देश मिलकर तेल के प्रोडक्शन की मात्रा और तेल की कीमतें तय करते थे। अब यूएई जितना चाहे उतना तेल बाजार में उतार सकता है। ऐसे में कीमत पर कंट्रोल रखना आसान नहीं होगा।' ईरानी मामलों के एक्सपर्ट यासिर अली मिर्जा मानते हैं, 'फिलहाल दोनों देशों को किसी डील पर पहुंचने में कम से कम 6 महीने और लग सकते हैं। ईरान की स्ट्रैटजी होर्मुज बंद करके वर्ल्ड इकॉनोमी पर दबाव बढ़ाने की है, जिसमें वो काफी हद तक सफल रहा है। ऐसे में वह आसानी से अमेरिका की शर्तें मानने वाला नहीं है।'

परेश रावल हो चुके 71 के- गुस्से में शख्स का सिर फोड़ा था,बोले- आज भी पछतावा है, विलेन की इमेज से लोग डरते थे, बाबूराव बनकर बदली पहचान

मुंबई। परेश रावल का नाम सुनते ही लोगों को बाबूराव की कॉमिक टाइमिंग याद आती है,

लेकिन उनका करियर सिर्फ कॉमेडी तक सीमित नहीं रहा। एक दौर में उनके खतरनाक विलेन किरदारों से लोग असल जिंदगी में भी डरने लगे थे। फ्लाइट में लोग उनके पास बैठने से कतराते थे और अपनी चीजें छिपाने लगते थे। इसी इमेज को तोड़ने के लिए उन्होंने कॉमेडी की तरफ रुख किया और बाबूराव, तेजा, डॉ. घुंघरू जैसे किरदारों से कल्ट स्टार बन गए। हाल ही में उन्होंने स्वीकार किया कि गुस्से में एक बार उन्होंने एक शख्स का सिर पत्थर से फोड़ दिया था, जिसका उन्हें आज पछतावा है। थिएटर, फिल्मों और राजनीति में वह हमेशा अपने बेबाक अंदाज के लिए चर्चा में रहे। सिर्फ कॉमेडियन नहीं, हर किरदार के मास्टर हैं-भारतीय सिनेमा में कुछ कलाकार अपने किरदारों को हमेशा के लिए लोगों की यादों में बसा देते हैं। परेश रावल उन्हीं अभिनेताओं में शामिल हैं। कॉमेडी, विलेन, गंभीर किरदार, सामाजिक फिल्में और ऐतिहासिक भूमिकाओं में उन्होंने खुद को साबित किया। बाबूराव, तेजा, डॉ. घुंघरू, कानजी मेहता और टिक्कू जैसे किरदार आज भी लोगों की जुबान पर हैं। परेश रावल हर किरदार के लिए अलग तैयारी करते थे और उसी हिसाब से बॉडी लैंग्वेज, आवाज और एक्सप्रेशन बदल लेते थे। प्रिंसिपल के केबिन में नकली पिता का थप्पड़- परेश रावल का अभिनय सफर थिएटर से शुरू हुआ। कॉलेज के दिनों में उन्हें नाटकों का शौक लग गया था। वह अक्सर क्लास छोड़कर थिएटर रिहर्सल और कैंटीन में समय बिताते थे। अटेंडेंस कम होने पर प्रिंसिपल ने उन्हें माता-पिता को बुलाने के लिए कहा। तब वह अपने इलाके के एक उम्रदराज दोस्त को नकली पिता बनाकर कॉलेज ले गए। शिकायत सुनते ही उस दोस्त ने एक्टिंग करते हुए उन्हें जोरदार थप्पड़ मार दिया। प्रिंसिपल घबरा गए और बोले, 'मारो मत, लड़का बहुत अच्छा है, कॉलेज के लिए ट्रॉफी जीतता है।' गुस्से में एक शख्स को पीट दिया-थिएटर के दिनों में परेश रावल अपने गुस्से के लिए भी जाने जाते थे। राज शमनी के पॉडकास्ट में उन्होंने बताया कि एक नाटक के दौरान दर्शकों में बैठा एक व्यक्ति लगातार अभद्र टिप्पणियां कर रहा था। गुस्से में वह स्टेज से नीचे उतर गए और उस व्यक्ति को पीट दिया। थिएटर में हंगामा मच गया और शो रोकना पड़ा। थिएटर मालिक इतने नाराज हुए कि उन्होंने भविष्य में वहां परफॉर्म करने की अनुमति देने से मना कर दिया था। इसी इंटरव्यू में उन्होंने स्वीकार किया कि एक बार गुस्से में उन्होंने किसी व्यक्ति के सिर पर पत्थर मार दिया था। बाद में उन्हें पछतावा हुआ और उन्होंने उस व्यक्ति से सुलह भी की। विलेन की इमेज से डरने लगे थे लोग- 90 के दशक में परेश रावल ने 'राम लखन', 'कब्जा' और 'मोहरा' जैसी फिल्मों में इतने खतरनाक विलेन रोल किए कि लोग असल जिंदगी में भी उनसे डरने लगे थे। उनकी आंखों के एक्सप्रेशन, भारी आवाज और स्क्रीन प्रेजेंस की वजह से दर्शक उन्हें डरावना मानने लगे थे। फ्लाइट और पब्लिक प्लेस में लोग उनके पास बैठने से डरते थे और अपनी चीजें छिपाने लगते थे। इसी इमेज को तोड़ने के लिए उन्होंने बाद में कॉमेडी किरदारों की तरफ रुख किया। फिल्म 'सर' में परेश रावल ने अंडरवर्ल्ड डॉन वेलजीभाई पाटेकर का किरदार निभाया। यह उनके शुरुआती करियर के सबसे दमदार नेगेटिव रोल्स में गिना जाता है। इस फिल्म के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला। दिलवाले में परेश रावल ने मामा ठाकुर का किरदार निभाया था। इस रोल में उनका क्रूर और बेरहम अंदाज दर्शकों को काफी डरावना लगा। उनकी आंखों के एक्सप्रेशन और डायलॉग डिलीवरी इस किरदार की सबसे बड़ी ताकत बने। रोल की तैयारी के लिए असली किन्नर से मिले- फिल्म 'तमन्ना' में परेश रावल ने एक किन्नर का किरदार निभाया, जिसे उनके करियर के सबसे संवेदनशील रोल्स में गिना जाता है। इस रोल की तैयारी के लिए

वह असली किन्नरों से मिले थे। उन्होंने उनकी बॉडी लैंग्वेज, बोलने का तरीका और भावनाओं को करीब से समझा। बाद में उन्होंने कहा था कि यह किरदार उन्हें अंदर तक हिला गया था। सरदार वल्लभभाई पटेल का किरदार निभाना सबसे मुश्किल था-फिल्म सरदार में उन्होंने भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की भूमिका निभाई। इस रोल के लिए उन्होंने सरदार पटेल के भाषण, चाल-ढाल और बॉडी लैंग्वेज पर गहराई से काम किया। उन्होंने कई इंटरव्यू में कहा था कि ऐतिहासिक किरदार निभाना सबसे मुश्किल होता है, क्योंकि लोग उस शख्सियत को पहले से जानते हैं और छोटी गलती पकड़ लेते हैं। मीम कल्चर का हिस्सा बने, तो कभी किरदार गले का फंदा बन गया- 1994 में आई फिल्म 'अंदाज अपना अपना' में परेश रावल ने सीधे-सादे रामगोपाल बाजाज और चालाक विलेन तेजा का डबल रोल निभाया। 'तेजा मैं हूं, मार्क इधर है' जैसे डायलॉग बाद में मीम कल्चर का हिस्सा बन गए। हेरा फेरी का बाबूराव परेश रावल के करियर का सबसे आइकॉनिक किरदार माना जाता है। मोटा चश्मा, धोती-कुर्ता, टूटी हिंदी और शानदार कॉमिक टाइमिंग ने इस किरदार को कल्ट बना दिया। बाबूराव को आम आदमी जैसा दिखाने के लिए परेश रावल ने चार्ली चैपलिन और आर.के. लक्ष्मण के कॉमन मैन से प्रेरणा ली थी। फिल्म का मशहूर सीन, जिसमें बाबूराव पेइंग गेस्ट को सलाह देता है कि 'टॉयलेट का दरवाजा टूटा है, अंदर जाओ तो गाना गाया करो', असल में परेश रावल का ऑन-द-स्पॉट इम्प्रोवाइजेशन था। हालांकि इस किरदार की लोकप्रियता इतनी बढ़ गई कि बाद में परेश रावल ने कहा था कि बाबूराव उनके लिए 'गले का फंदा' बन गया, क्योंकि लोग उन्हें उसी तरह के रोल्स में देखने लगे थे। डॉ. घुंघरू से मस्तान भाई तक, परेश रावल के आइकॉनिक रोल-हंगामा में परेश रावल ने एक अमीर, शक्की और भ्रमित बिजनेसमैन का किरदार निभाया। गलतफहमियों और शक से पैदा हुई कॉमेडी दर्शकों को खूब पसंद आई। उनकी एक्सप्रेशन और डायलॉग डिलीवरी आज भी फिल्म की सबसे बड़ी ताकत मानी जाती है। आवारा पागल दीवाना में उनका गैंगस्टर-कॉमेडी अवतार खूब पसंद किया गया। मस्तान भाई के किरदार में उन्होंने गैंगस्टर स्टाइल और कॉमिक टाइमिंग का बेहतरीन मिश्रण दिखाया। वहीं, वेलकम में डॉ. घुंघरू के किरदार में उन्होंने डरे हुए लेकिन लालची डॉक्टर की भूमिका निभाई। उनकी कॉमिक टाइमिंग फिल्म की सबसे बड़ी ताकतों में से एक बनी। गंभीर और सामाजिक फिल्मों में असरदार अभिनय-'ओमजी-ओह माय गॉड' में परेश रावल ने नास्तिक दुकानदार कानजी लालजी मेहता का किरदार निभाया, जो धर्म के नाम पर चल रहे कारोबार को कोर्ट तक ले जाता है। इस रोल में उन्होंने थिएटर स्टाइल की एक्टिंग अपनाई। उनके संवादों में सादगी, व्यंग्य और गहराई नजर आई। उन्होंने कहा था कि इस फिल्म के बाद उन्हें अलग तरह के रोल मिलने शुरू हुए और उनकी इमेज सिर्फ कॉमेडियन तक सीमित नहीं रही। हालांकि फिल्म को लेकर विवाद भी हुए। निर्देशक उमेश शुक्ला ने बताया था कि रिलीज के दौरान उन्हें जान से मारने की धमकियां मिली थीं। 'टेबल नंबर 21' के मोनोलॉग ने चौंकाया, 'उरी' में दिखा रणनीतिक अंदाज-फिल्म 'टेबल नंबर 21' में परेश रावल ने रहस्यमयी और खतरनाक व्यक्ति का किरदार निभाया। शांत चेहरे के पीछे छिपे गुस्से और दर्द को उन्होंने प्रभावशाली तरीके से दिखाया। फिल्म का उनका क्लाइमैक्स मोनोलॉग काफी चर्चित हुआ और सोशल शर्ी पर इसे उनके सबसे अंडररेटेड रोल्स में गिना जाता है। वहीं, उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक में उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से प्रेरित किरदार निभाया। फिल्म में उनका शांत लेकिन रणनीतिक अंदाज दर्शकों को पसंद आया। फिल्मों से ज्यादा बयानों पर घिरे-परेश रावल अपनी दमदार एक्टिंग और यादगार किरदारों के साथ कई बार विवादित बयानों को लेकर भी सुर्खियों में रहे। राजनीति, धर्म, सामाजिक मुद्दों और चुनावी भाषणों में दिए गए उनके कई बयान सोशल मीडिया पर विवाद का कारण बने। कई मामलों में उन्हें आलोचनाओं, कानूनी शिकायतों और ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा।

सबसे ज्यादा विवाद उनके 2022 के बंगालियों वाले बयान को लेकर हुआ था। सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोल किया गया, राजनीतिक दलों ने विरोध किया और कोलकाता में शिकायत दर्ज हुई। कई मीडिया रिपोर्ट्स में इसे उनके करियर का सबसे बड़ा सार्वजनिक विवाद बताया गया। बंगालियों पर टिप्पणीः सबसे ज्यादा विवादित बयान- टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 में गुजरात चुनाव प्रचार के दौरान परेश रावल ने महंगाई, गैस सिलेंडर और अवैध घुसपैठ के मुद्दे पर बोलते हुए बंगालियों, रोहिंग्या और बांग्लादेशियों को लेकर टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि 'गैस सिलेंडर महंगे हैं, लेकिन पड़ोस में रोहिंग्या और बांग्लादेशी रहेंगे तो क्या करेंगे? बंगाली आपके लिए मछली पकाएंगे?' इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इस बयान के बाद बंगाली समुदाय और विपक्षी नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी। सीपीआई (एम) नेता मोहम्मद सलीम ने कोलकाता में उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। आरोप लगाया गया कि उनका बयान सामाजिक सौहार्द बिगाड़ सकता है। विवाद बढ़ने के बाद परेश रावल ने ट्विटर पर सफाई देते हुए कहा कि उनका इशारा 'अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों' की तरफ था, न कि पूरे बंगाली समुदाय की तरफ। उन्होंने लिखा कि अगर किसी की भावनाएं आहत हुई हैं तो वह माफी मांगते हैं। अरुंधति रॉय पर ट्वीट से मचा हंगामा-साल 2017 में लेखिका अरुंधति रॉय को लेकर किया गया उनका ट्वीट भी विवादों में रहा। कश्मीर में सेना द्वारा एक युवक को जीप से बांधने वाली घटना पर देशभर में बहस चल रही थी। इसी दौरान परेश रावल ने ट्वीट किया था कि 'पत्थरबाज की जगह अरुंधति रॉय को जीप से बांधो।' इस ट्वीट के बाद सोशल मीडिया पर भारी विरोध हुआ। कई पत्रकारों, एक्टिविस्ट्स और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोगों ने इसे हिंसा को बढ़ावा देने वाला बयान बताया। ट्विटर पर उनके खिलाफ कैंपेन चलने लगे। बाद में परेश रावल ने कहा कि उनका ट्वीट व्यंग्य था और उसे गलत तरीके से पेश किया गया। धर्म और इतिहास से जुड़े बयानों पर विवाद-परेश रावल कई बार धर्म और इतिहास से जुड़े मुद्दों पर विवादों में रहे हैं। 2017 में ताजमहल को लेकर चल रही राजनीतिक बहस के दौरान उन्होंने ट्वीट किया था कि 'ताजमहल भारतीय संस्कृति का हिस्सा नहीं है' जैसी सोच रखने वालों को समझना चाहिए कि इतिहास को सिर्फ राजनीति से नहीं देखा जा सकता। बाद में अपनी फिल्म 'द ताज स्टोरी' के प्रमोशन के दौरान उन्होंने कहा कि वह 'खोखले विवादों' के खिलाफ हैं और फिल्म का उद्देश्य हिंदू-मुस्लिम तनाव बढ़ाना नहीं है। फिल्म को लेकर कुछ जनहित याचिकाएं भी दायर हुई थीं। आरोप लगाया गया था कि फिल्म धार्मिक भावनाओं को प्रभावित कर सकती है। इस पर परेश रावल ने सफाई दी कि फिल्म का मकसद इतिहास के एक पक्ष को दिखाना है, न कि सांप्रदायिक विवाद पैदा करना। राजनीति में आने के बाद बढ़ी आलोचना भारतीय जनता पार्टी से जुड़ने और अहमदाबाद पूर्व सीट से सांसद बनने के बाद परेश रावल के बयानों पर ज्यादा राजनीतिक प्रतिक्रियाएं आने लगीं। उनके ट्वीट्स और सार्वजनिक टिप्पणियां अक्सर टीवी डिबेट और सोशल मीडिया बहस का हिस्सा बनीं। समर्थकों ने उन्हें बेबाक और राष्ट्रवादी छवि वाला अभिनेता बताया, जबकि आलोचकों ने कहा कि वरिष्ठ अभिनेता और पूर्व सांसद होने के नाते उन्हें अधिक जिम्मेदारी से बयान देने चाहिए। सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग और आलोचना-परेश रावल लंबे समय तक ट्विटर पर सक्रिय रहे। धर्म, राष्ट्रवाद, चुनाव और सामाजिक मुद्दों पर उनके ट्वीट्स अक्सर वायरल होते रहे। कई बार उनके समर्थन में ट्रेंड चले, तो कई बार उन्हें ट्रोलिंग और आलोचना का सामना करना पड़ा। हालांकि कुछ मामलों में उन्होंने सफाई दी और माफी भी मांगी। खासकर बंगाली विवाद के बाद उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा था कि उनका उद्देश्य किसी समुदाय का अपमान करना नहीं था।

उम्र की ढलान पर शरीर होता हैं कमज़ोर बोन्स को चाहिए कैल्शियम,शरीर के इशारों को इग्नोर न करें

नयी दिल्ली। 40 की उम्र के बाद हड्डियों में कमजोरी एक 'साइलेंट' प्रॉब्लम है, जो धीरे-धीरे बढ़ती है। यह अक्सर तब सामने आती है, जब फ्रैक्चर या

दर्द होता है। दरअसल उम्र बढ़ने के साथ शरीर में कैल्शियम का अवशोषण कम हो जाता है और बोन डेंसिटी घटने लगती है। महिलाओं में मेनोपॉज के बाद यह प्रक्रिया और तेज हो जाती है। खराब लाइफस्टाइल, विटामिन डी की कमी, एक्सरसाइज की कमी और गलत खानपान इस खतरे को बढ़ा सकते हैं। परेशानी की बात यह है कि शुरुआत में इसके लक्षण बहुत स्पष्ट नहीं होते। इसलिए लोग इसे नजरअंदाज कर देते हैं। अगर समय रहते इस पर ध्यान दिया जाए तो बोन लॉस की प्रक्रिया को थोड़ा स्लो किया जा सकता है। आज 'जरूरत की खबर' में बोन हेल्थ पर बात करेंगे। साथ ही जानेंगे-हड्डियों की कमजोरी के क्या संकेत हैं? स्ट्रॉन्ग बोन हेल्थ के लिए लाइफस्टाइल कैसी होनी चाहिए? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट: डॉ. अभिषेक कुमार मिश्रा, सीनियर कंसल्टेंट, ऑर्थोपेडिक्स एंड स्पाइन, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। कैल्शियम की कमी-उम्र बढ़ने के साथ शरीर में कैल्शियम का अवशोषण कम हो जाता है। अगर डाइट से पर्याप्त कैल्शियम नहीं से बोन लॉस बढ़ सकता है। बोन रिमॉडलिंग इंबैलेंस-हमारी हड्डियां लगातार टूटती और बनती रहती हैं। 30-35 साल की उम्र तक ये अपनी पीक स्ट्रेंथ पर होती हैं। 40 के बाद हड्डियां घिसने की प्रक्रिया तेज और बनने की प्रक्रिया स्लो हो जाती है.इसके कारण हड्डियां धीरे-धीरे पतली और कमजोर होने लगती हैं। लो फिजिकल एक्टिविटी-40 के बाद ज्यादातर लोग एक्टिव नहीं रहते हैं। हड्डियों की मजबूती के लिए फिजिकल एक्टिविटी जरूरी है। इसकी कमी से हड्डियां कमजोर पड़ती हैं। खराब लाइफस्टाइल-ज्यादा नमक, जंक फूड, कैफीन, शराब और स्मोकिंग हड्डियों से कैल्शियम कम करती हैं और बोन डेंसिटी घटाती हैं। कुछ बीमारियां और दवाएं-थायरॉइड, किडनी डिजीज जैसी बीमारियां हड्डियों को कमजोर बना सकती हैं। लंबे समय तक स्टेरॉयड लेने से भी हड्डियां कमजोर हो सकती हैं। सवाल- हड्डियों की कमजोरी के क्या संकेत हैं? जवाब- हड्डियों की कमजोरी के शुरुआती संकेत बहुत हल्के होते हैं। इसलिए लोग इसे नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन समय रहते ये लक्षण पहचान लिए जाएं तो बड़ी समस्या से बचा जा सकता है। सवाल- 40ह एज में किन लोगों को बोन लॉस का रिस्क ज्यादा होता है? जवाब- कुछ लोगों को इसका रिस्क ज्यादा होता है। जिनकी उम्र 50 से ऊपर है। जिन महिलाओं को मेनोपॉज हो चुका है। सवाल- हड्डियां कमजोर होने से किन बीमारियों का रिस्क बढ़ता है? जवाब- कमजोर हड्डियां दर्द या थकान के साथ कई गंभीर बीमारियों का रिस्क बढ़ा सकती हैं। 40+ उम्र में यह रिस्क और ज्यादा हो जाता है। सवाल- बोन हेल्थ का पता कैसे लगाया जाता है? जवाब- बोन हेल्थ का सही आकलन सिर्फ लक्षणों से नहीं लगाया जा सकता है। इसके साथ टेस्ट और मेडिकल एसेसमेंट की भी जरूरत होती है।जैसेकि-बीएमडी (बोन मिनरल डेंसिटी) टेस्ट इसमें हड्डियों की डेंसिटी मापी जाती है। डुअल-एनर्जी एक्स-रे एब्जॉर्प्टियोमेट्री स्कैन किया जाता है। इससे पता चलता है कि हड्डियां नॉर्मल हैं, कमजोर हैं या ऑस्टियोपोरोसिस (हड्डियां पतली या कमजोर होना) है। एक्स-रे-इससे हड्डियों के स्ट्रक्चर और फ्रैक्चर का पता चलता है। हालांकि शुरुआती बोन लॉस इसमें नहीं दिखता है। ब्लड टेस्ट-कैल्शियम और विटामिन डी का लेवल जांचा जाता है। थायरॉइड या अन्य समस्याओं का भी पता चलता है। इससे हड्डियों की कमजोरी की वजह समझने में मदद मिलती है। फ्रैक्चर रिस्क एसेसमेंट टूल स्कोर यह एक कैलकुलेशन टूल है। यह उम्र, वजन, लाइफस्टाइल और मेडिकल हिस्ट्री के आधार पर फ्रैक्चर रिस्क बताता है। शारीरिक संकेतडॉक्टर कुछ लक्षणों के आधार पर अंदाजा लगाते हैं। जैसे- बार-बार फ्रैक्चर लगातार हड्डियों में दर्द -लाइफस्टाइल (डाइट, एक्सरसाइज) मेडिकल हिस्ट्री सवाल- लाइफस्टाइल का बोन हेल्थ पर क्या प्रभाव पड़ता है? जवाब- संतुलित डाइट, रेगुलर एक्सरसाइज और पर्याप्त धूप लेने से हड्डियां मजबूत होती हैं। जबकि खराब खानपान, लो फिजिकल एक्टिविटी, स्मोकिंग और ड्रिंकिंग हड्डियों को कमजोर करते हैं। गलत आदतें धीरे-धीरे बोन डेंसिटी कम करती हैं और समय के साथ ऑस्टियोपोरोसिस का रिस्क बढ़ा सकती हैं। सवाल- स्ट्रॉन्ग बोन हेल्थ के लिए लाइफस्टाइल कैसी होनी चाहिए? जवाब- हेल्दी लाइफस्टाइल और सही आदतें बोन हेल्थ को स्ट्रॉन्ग बनाने में मदद करती हैं। बोन हेल्थ से जुड़े कॉमन सवाल और जवाब-

सवाल- क्या बिना टेस्ट के भी बोन हेल्थ का पता चल सकता है? जवाब-नहीं, केवल लक्षणों से सटीक पता नहीं चलता। सही आकलन के लिए टेस्ट जरूरी होते हैं। सवाल- क्या बोन लॉस को पूरी तरह रोका जा सकता है? जवाब- पूरी तरह तो नहीं, लेकिन सही डाइट, रेगुलर एक्सरसाइज और हेल्दी लाइफस्टाइल से इसे काफी हद तक धीमा किया जा सकता है। सवाल- क्या हर व्यक्ति को 40 के बाद बोन डेंसिटी टेस्ट कराना चाहिए? जवाब- हां, लेकिन जिन्हें ज्यादा रिस्क है, उन्हें जरूर कराना चाहिए। जैसेकि-मेनोपॉज होने पर। जिन्हें पहले फ्रैक्चर हो चुका हो। जिन्हें कैल्शियम/विटामिन फ्रैक्चर रिस्क एसेसमेंट टूल की कमी है। जो लंबे समय से स्टेरॉयड ले रहे हैं। सवाल- क्या सिर्फ सप्लीमेंट लेने से हड्डियां मजबूत हो सकती हैं? जवाब- नहीं, सप्लीमेंट के साथ संतुलित डाइट और हेल्दी लाइफस्टाइल भी जरूरी है।सवाल- किन स्थितियों में डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है? जवाब- इन स्थितियों में डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है- किसी खास कारण के बिना लगातार हड्डियों में दर्द बना रहे।मामूली झटके में हड्डी टूट जाए। चलने-फिरने में दिक्कत या बैलेंस खराब हो। कमजोरी, थकान या मसल्स में दर्द हो। अगर बोन डिजीज की फैमिली हिस्ट्री हो। लंबे समय से स्टेरॉयड या अन्य दवाएं ले रहे हों। 50 साल से ज्यादा उम्र हो। सवाल- 40 की उम्र के बाद हड्डियां कमजोर क्यों होने लगती हैं? जवाब- 40 की उम्र के बाद हड्डियों का कमजोर होना एक सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन यह अचानक नहीं होता। इसके पीछे कई कारण हैं।

स्वत्वाधिकारी
एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।